A Daily News Magazine
भोपाल
सोमवार, 04 मई, 2026
भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 23, अंक 241, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

प. बंगाल : चुनाव नतीजों का देश की राजनीति पर क्या होगा असर

संजीव श्रीवास्तव

चार मई को भारत के चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के चुनाव परिणाम आने वाले हैं। तमिलनाडु, असम, पश्चिम बंगाल, केरल के साथ-साथ पुंडुचेरी के चुनावी नतीजों से पता चलेगा कि इन राज्यों में किनकी सरकार बनने वाली है। लेकिन ज़्यादातर पॉलिटिकल ऑब्ज़र्वर का ध्यान पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों पर है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्यों पश्चिम बंगाल का चुनाव इतना महत्वपूर्ण बन गया है?

बीजेपी के लिए यह राज्य इतना अहम क्यों है? क्योंकि श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जो जनसंघ के फ़ाउंडर थे, पश्चिम बंगाल उनका गृह राज्य है। यही वजह है कि 1950 से बीजेपी का लगातार प्रयास रहा है कि वह किसी तरह से पश्चिम बंगाल में अपनी सरकार बना सके। हालांकि अभी तक वह सफल नहीं हुई है। इस बार के चुनाव में बीजेपी की ओर से हर संभव कोशिश हुई। साधन, प्रचार और संसाधनों की कोई कमी नहीं रखी गई। सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग तक के आरोप लगे हैं और राज्य में केंद्रीय बलों की तैनाती भी हुई है। यह राज्य बीजेपी के लिए एक बड़ा टेस्ट केस भी है कि वह कितने हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण करा सकती है। तो बाकी दूसरी तरफ़ का पोलराइजेशन (ध्रुवीकरण) काफ़ी मजबूत होना चाहिए। बीजेपी के और विपक्ष के नज़रिए से भी, राजनीतिक हलकों में पश्चिम बंगाल को एक लास्ट फ्रंटियर की तरह से देखा जा रहा है, क्योंकि उत्तर में, केंद्रीय भारत में, पूर्वी भारत में ज़्यादातर जगह बीजेपी अपनी जीत का झंडा, परचम फहरा चुकी है। बंगाल अभी तक उससे बचा हुआ है। और विपक्ष को अगर बीजेपी के बढ़ते प्रभाव को रोकना है तो टीएमसी को बने रहना होगा। यह उसके लिए तो बहुत महत्वपूर्ण है ही, समूचे विपक्ष के लिए भी अहम है।

चुनाव में एक अहम मुद्दा एसआईआर का भी रहा है, वोटर लिस्ट में जो स्पेशल इंटेंसिव रिवीज़न हुआ है, वह एक संवेदनशील मुद्दा है। बड़ी संख्या में लोगों के वोट कटे हैं और उसमें भी बड़ी संख्या अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम मतदाताओं की है। लेकिन यह वोट सेंट्रल बंगाल, मुर्शिदाबाद, मालदा और इनके आस-पास के इलाकों में कटे हैं। उसमें कई जगह ग़लतियां हुई हैं।

फिर एक मुद्दा ध्रुवीकरण का है, जो पश्चिम बंगाल की राजनीति की एक सच्चाई है। ध्रुवीकरण शहरी इलाकों में काफ़ी है, ख़ासकर उन लोगों में जो मूलतः बंगाली नहीं हैं, चाहे वे मारवाड़ी हैं, चाहे हिन्दी भाषी लोग हैं, जो लंबे समय से बंगाल में रह रहे हैं। वे काफ़ी कुछ बीजेपी का साथ देते हुए दिख रहे हैं। हालांकि हमें पूरे बंगाल में सात दिन घूमने के दौरान कोई कम्युनल टेंशन या सांप्रदायिक तनाव की झलक दिखी नहीं।

राज्य में ममता शासन और ममता गवर्नमेंट ख़ासी अलोकप्रिय है। विकास के नज़रिए से देखें तो पश्चिम बंगाल की विकास दर देश में सबसे धीमी गति से है। लेकिन कोई विकास की वजह से चुनाव जीत जाए, यह बिल्कुल तय बात नहीं है। इसका मतलब है कि दूसरी चीजें ज़्यादा भारी पड़ती हैं राजनीति में और जिनमें से एक चीज़ इस बार भी हमने बंगाल में देखी और वह हैं महिला मतदाता।

पिछले कुछ वर्षों से हम देख रहे हैं कि चुनावों में महिला मतदाता अहम भूमिका निभा रही हैं। यहां पर ममता बनर्जी ने एक लक्ष्मी भंडार करके योजना चलाई हुई है, जिसके तहत हर महीने पन्द्रह सौ रुपये महिलाओं के ख़ाते में पैसे ट्रांसफर होते हैं। अब उसका कितना असर पड़ेगा?

बीजेपी ने वादा किया है कि अगर उनकी सरकार बनी तो वह तीन हज़ार रुपये देंगे। तो लोग जो मिल रहा है उस पर ज़्यादा भरोसा करेंगे कि जो मिलने का आश्वासन दिया गया है उस पर ज़्यादा भरोसा करेंगे, यह देखने की बात है। लेकिन ममता बनर्जी या टीएमसी जीतती हैं तो इसलिए जीतेंगीं क्योंकि बीजेपी को अब भी बंगाल में स्वीकार्यता नहीं मिल पाई है। जो मूलतः बांग्ला जनसंख्या है, मतदाता हैं, वह अब भी उस तरह का जुड़ाव महसूस नहीं करते और बीजेपी को एक बाहरी पार्टी की तरह देखते हैं। बीजेपी के पास कोई बड़ा चेहरा नहीं है ममता के मुकाबले। जो उनके बड़े नेता आते हैं राज्य में चुनाव प्रचार के लिए वह भी हिंदी में बोलते हैं, बांग्ला नहीं बोल पाते तो वह एक डिस्कनेक्ट सा रहता है। फिर जो बीजेपी के ख़ास चेहरे हैं, प्रतीक हैं, राम मंदिर है, हिंदुत्व है, जो कल्चरल नेशनलिज्म (सांस्कृतिक राष्ट्रवाद) है, जिसे बीजेपी ने परिभाषित किया है उसके साथ भी बांग्ला लोग अपने को बहुत ज्यादा आइडेंटिफाई नहीं कर पाते। क्योंकि उनके प्रतीक दुर्गा हैं, शक्ति हैं, काली हैं, शिव हैं। और जो लोकल बांग्ला आइकॉन्स हैं, चाहे वह राममोहन राय हैं, चाहे सुभाष बाबू हैं, चाहे वह कुछ लोगों के लिए अमर्त्य सेन या सत्यजीत रे हैं या बिपिन चंद्र पाल हैं। लेकिन बीजेपी भी कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इस चुनाव में यह भी रहा है कि जो बड़ी संख्या में बंगाल से बाहर रहने वाले लोग जो बंगाल लौट के वोट कर रहे हैं, वह किसके पक्ष में मतदान करेंगे।

उनको लगता है कि कहीं हमारी नागरिकता पर ही प्रश्नचिह्न नहीं लग जाए। कहीं ऐसा नहीं हो कि जो हमें फ़ायदे मिल रहे हैं भारतीय नागरिक होने की वजह से, चाहे वह फ्री राशन है, चाहे दूसरी सुविधाएं, उन पर कहीं आंच न आ जाए।

अगर टीएमसी जीतती है तो वह विपक्ष के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। उनको लगेगा कि बीजेपी का मुक़ाबला हो सकता है। लेकिन अगर कोई इसका यह अर्थ निकाले कि टीएमसी का जीतना कोई सेक्यूलर फोर्सेस (धर्मनिरपेक्ष ताकतों) की जीत है या कम्युनल फोर्सेस (सांप्रदायिक ताकत) की हार है तो वह भी इस चुनावी नतीजे का एक सरलीकरण होगा। बहुत बड़ी संख्या में मुस्लिम वोट टीएमसी की बुनियाद है। और उस तरह का रिवर्स मोबिलाइजेशन हो नहीं रहा है कि बीजेपी आ जाए, मतलब बाकी सारे हिंदू एक तरफ़ हो जाएं। तो उसकी संभावना आसान नहीं है क्योंकि वहां पर मुद्दा बांग्ला आइडेंटिटी और बांग्ला सब-नेशनलिज्म का भी है।

बीजेपी जीतती है तो एक तो यह बात स्पष्ट हो जाएगी कि काफ़ी बड़ी तादाद में और काफ़ी कामयाब तरीके से हिंदू वोट का ध्रुवीकरण करने में बीजेपी कामयाब हो गई है। इन इलाकों में बीजेपी का एकछत्र राज हो जाएगा। इसका असर पड़ेगा विपक्ष के मनोबल पर और वह किस तरह से हतोत्साहित होंगे वह भी महत्वपूर्ण बात है। कई लोगों का मानना है कि देश के लोकतंत्र के लिए यह आवश्यक है कि देश का इतना एकतरफ़ा राजनीतिक नक्शा न बने।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सीएम यादव ने किया इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का भूमिपूजन

नये मध्यप्रदेश का मार्वलस माइलस्टोन साबित होगा इन्दौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर : सीएम

इंदौर–पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर 2360 करोड़ रुपये की लागत, किसानों को 4 गुना मुआवजा

इंदौर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव रविवार को इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईपीईसी) का भूमिपूजन किया। ग्राम नैनोद में आयोजित इस कार्यक्रम प्रोजेक्ट के पहले चरण का काम अब शुरू हो सकेगा। यहां सीएम ने किसानों को भूस्वामियों को विकसित भूखंड के अलॉटमेंट लेटर भी सौंपे मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रदेश की प्रगति का नया अध्याय है। यह कॉरिडोर सच्चे अर्थों में नये मध्यप्रदेश के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मालवा के किसान हमेशा कमाल करते हैं। प्रदेश के विकास में विशेषकर मालवा क्षेत्र के किसानों का सहयोग और समर्पण अनुकरणीय है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक मधु वर्मा सहित अन्य भाजपा नेता भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के ग्राम नैनोद में उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र की परियोजना इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में इंदौर के नैनोद में इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के भूमि-पूजन समारोह में भू स्वामियों ने एमपीआईडीसी को सहमति-पत्र प्रदान किए।

इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर किसानों की आर्थिक उन्नति के लिए वरदान साबित होगा। इससे किसान केवल 'मुआवजा पाने वाले' नहीं, बल्कि 'बिजनेस पार्टनर' बनाए जा रहे हैं। 2360 करोड़ रुपये की इस परियोजना में सरकार ने किसानों को जमीन का 4 गुना मुआवजा देने के साथ-साथ, उनकी 60 प्रतिशत जमीन विकसित भूखंड के रूप में लौटाने का निर्णय लिया है।

- इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के प्रथम चरण का भूमिपूजन
- किसानों को सरकार लौटाएगी 60 फीसदी विकसित भूखंड
- किसान बने 650 करोड़ रुपये के प्लॉट के मालिक
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से प्रगति कर रहा देश-प्रदेश।

लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा– मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के नैनोद में 2360 करोड़ रुपये की लागत वाले इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का भूमिपूजन कर प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाई दी है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान किसानों को जमीन का 4 गुना मुआवजा और 60 प्रतिशत विकसित भूखंड वापस देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है।

भविष्य में प्रदेश में उद्योगों की संख्या बढ़ेगी

सीएम डॉ. मोहन यादव ने इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम में कहा कि भविष्य में प्रदेश में उद्योगों की संख्या बढ़ेगी। इससे राज्य में रोजगार और स्व-रोजगार के कई रास्ते खुलेंगे। प्रदेश के युवा-किसान और ज्यादा समृद्ध होंगे। दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 2360 करोड़ रुपये की लागत के इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के प्रथम चरण का भूमिपूजन किया। यह कार्यक्रम इंदौर के नैनोद गांव में हुआ। कार्यक्रम में इकोनॉमिक कॉरिडोर पर आधारित शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई।

8 लेन सुपर एक्सप्रेस वे, दिल्ली–मुंबई कॉरिडोर जुड़ेगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर-उज्जैन-धार-देवास-शाजापुर-रतलाम, ये सब मिलाकर मेट्रोपॉलिटन सिटी बन रही है। ये सड़क केवल पीथमपुर से इंदौर नहीं है, यह उज्जैन से भी आगे है। यह 8 लेन सुपरएक्सप्रेस वे है। इसके माध्यम से दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर जुड़ेगा।

दुनिया की महाशक्तियों को चुनौती देने का बन गया प्लान

भारत में ही बनेगी बुलेट ट्रेन स्वदेशी होगी तकनीक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेल उस मुकाम पर खड़ी है, जहां से दुनिया की महाशक्तियों को चुनौती मिलने जा रही है। हाई-स्पीड रेल के लिए जापान की शिंकानसेन और विदेशी तकनीक पर निर्भर रहने वाला भारत अब खुद अपनी स्वदेशी बुलेट ट्रेन बना रहा है। बी28 (बुलेट ट्रेन-28) कोडनेम से बनने वाली यह ट्रेन अगस्त 2027 में अपना हाई स्पीड ट्रायल रन पूरा करेगी। वर्ष 2028 के मध्य में अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड कॉरिडोर के सूरत-बिलिमोरा-वापी सेक्शन पर यात्री 280 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार का आनंद उठा सकेंगे। लॉंचिंग के समय इसका नाम 'वंदे भारत प्रो' अथवा 'अमृत भारत हाई स्पीड' रखा जा सकता है। रेलवे बोर्ड के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि देशभर में स्वदेशी बुलेट ट्रेन चलाने के साहसिक निर्णय के पीछे सबसे बड़ी वजह इसकी लागत और विदेशी तकनीक पर निर्भरता खत्म करना है।

चलता-फिरता डाटा सेंटर, मध्यम वर्ग भी यात्रा कर सकेगा

स्वदेशी बुलेट ट्रेन चलता–फिरता डाटा सेंटर होगी। ट्रेन में हजारों अत्याधुनिक सेंसर लगे होंगे। जिससे ट्रेन के पहिये में हल्की खराबी आती है, तो रियल–टाइम हेल्थ मॉनिटरिंग के जरिये ड्राइवर को तुरंत पता चल जाएगा। लागत कम होने से बुलेट ट्रेन का किफायती किराया सिर्फ अमीरों की सवारी न रहकर मध्यम वर्ग भी यात्रा कर सकेगा। अधिकारी ने बताया कि स्वदेशी बुलेट ट्रेन को वंदे भारत के प्लेटफॉर्म (बोगी) पर विकसित किया जा रहा है। वंदे भारत स्टील की बनी है, जबकि बी 28 एक्सट्रूडेड एल्युमीनियम से बनाया जा रहा है। यह विमान की तरह हल्की और अत्यधिक तेज होगी।

शरद की सुबह

लाखों, करोड़ों या अरबों नहीं
काल के अनंत प्रवाह से
दर्ज है तुम्हारे भीतर
घटनाएं, क्रम और जीवन
मैं जानता हूं मेरी पृथ्वी
तुम केवल घूमती नहीं
बल्कि देखती भी हो
घटा, बीता और रीता समय
दर्ज करती हो मेरा, हमारा और
अनंत जीवन का सार
मेरी वसुंधरा
तुम पर रहता नहीं इन दिनों
महसूस करता हूं तुम्हें
खुद के भीतर
समझने से परे
और इतिहास बन जाने से पहले.!

– सारंग उपाध्याय

यूपी में 2 बच्चों का एयरफोर्स हेलीकॉप्टर से किया रेस्क्यू

रील बनाने पानी की टंकी पर चढ़े थे, सीढ़ी टूटने से 3 नीचे गिरे, एक की मौत

सिद्धार्थनगर (एजेंसी)। यूपी के सिद्धार्थनगर में पानी की टंकी पर 16 घंटे से फंसे बच्चों का एयरफोर्स के एमआई-17 हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू किया। दोनों को गोरखपुर के एयरफोर्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शनिवार को काशीराम आवास कॉलोनी में 5 बच्चे रील बनाने के लिए 60 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़े थे। उतरते वक्त सीढ़ी टूट गई। 3 बच्चे नीचे गिर गए। इनमें से 1 की मौत हो गई, जबकि 2 की हालत गंभीर है। 2 बच्चे रॉड पकड़कर लट गए। फिर धीरे-धीरे टंकी पर चढ़ गए। टंकी के आसपास दलदल होने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें आईं। हाइड्रॉलिक क्रेन मंगाई गई, लेकिन दलदल के कारण क्रेन टंकी तक नहीं पहुंच पाई। इसलिए 150 मीटर सड़क बनाने का काम शुरू किया गया। देर रात तक 120 मीटर तक सड़क बना ली गई। इस बीच, रात करीब 3 बजे तेज बारिश शुरू हो गई, जिससे काम रोकना पड़ा। हालात देखते हुए प्रशासन ने सेना की मदद मांगी।

आज मुख्यमंत्री करेंगे राज्य स्तरीय दुग्ध उत्पादक एवं पशुपालक सम्मेलन का ग्वालियर में शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को ग्वालियर में राज्य स्तरीय दुग्ध उत्पादक एवं पशुपालक सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभागीय योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों को स्वीकृति प्रमाण–पत्र भी वितरित करेंगे। मेला ग्राउंड ग्वालियर में होने वाले सम्मेलन में पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल भी उपस्थित रहेंगे। दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को मिल्क कैपिटल बनाने और दुग्ध उत्पादकों और पशुपालकों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा लगातार नवाचार किए जा रहे हैं।

पांच राज्यों का आज तय हो जाएगा चुनावी भाग्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम, केरलम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे कल 4 मई को आएंगे, जिन पर सभी की नजरें टिकी हैं। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान देखने को मिला, जहां टीएमसी और बीजेपी के बीच कड़ा मुकाबला माना जा रहा है। वहीं असम में बीजेपी सत्ता बचाने की कोशिश में है,

जनता किसके साथ रहेगी, हो जाएगा असली फैसला

जबकि कांग्रेस गठबंधन चुनौती दे रहा है। तमिलनाडु में मुकाबला डीएमके और एआईएडीएमके के बीच है, जबकि केरल में एलडीएफ और यूडीएफ आमने-सामने हैं। पुडुचेरी में भी मुकाबला दिलचस्प है। अंतिम तस्वीर कल 4 मई को ही साफ होगी। चुनाव आयोग ने मतगणना की तैयारियां पूरी कर ली हैं। नतीजे सुबह 8 बजे से आएंगे। चुनाव आयोग ने वोटों की गिनती की पूरी तैयारी कर ली है।

दोनों ही चरणों में हुए थे भारी मतदान

असम, केरलम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। इसमें असम की 126 सीटों पर 9 अप्रैल को, केरलम की 140 सीटों और पुड्डुचेरी की 30 सीटों पर एक साथ मतदान हुआ। इसके बाद तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को वोट डाले गए। वहीं पश्चिम बंगाल में दो चरण में मतदान हुआ, जिसमें पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को हुआ। इसमें 152 सीटों पर वोट पड़े। वहीं दूसरे और आखिरी चरण में 142 सीटों पर 29 अप्रैल को वोटिंग हुई। बात करें बंगाल की तो इस बार के चुनाव में मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। दोनों ही चरणों में भारी मतदान हुआ। कुल मिलाकर 92.47 फीसदी वोट पड़े। राज्य में एसआईआर के बाद हुए चुनाव में पहले चरण में 152 सीटों पर वोट डाले गए।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 04 मई 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

चलती फ्लाइट में यात्री ने खोल दिया इमरजेंसी गेट

- चेन्नई एयरपोर्ट पर हुआ गिरफ्तार,231 लोग थे सवार

चेन्नई (एजेंसी)। शारजाह से चेन्नई आ रही एयर अरबिया की एक फ्लाइट में रविवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक 34 साल के यात्री ने विमान के लैंड होने के बाद टैक्सीवे पर चलते समय अचानक इमरजेंसी एग्जिट दरवाजा खोल दिया। इस घटना के बाद पायलट को तुरंत विमान रोकना पड़ा और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट जारी किया गया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एयर अरबिया का विमान 231 यात्रियों को

लेकर शारजाह से चेन्नई पहुंचा था। विमान सुरक्षित रूप से रनवे पर लैंड कर चुका था और रनवे से टर्मिनल को जोड़ने वाले रास्ते (टैक्सीवे) पर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था। इसी दौरान पुदुक्कोट्टई के रहने वाले एक यात्री ने अचानक उठकर विमान का आपातकालीन निकास द्वार खोल दिया। विमान उस समय पूरी तरह रुका नहीं था, जिसके कारण बड़ा हादसा हो सकता था। यात्री की इस हरकत को देख केबिन क्रू और साथी यात्री सन्न रह गए। जैसे ही इमरजेंसी दरवाजा खुला, विमान के कॉकपिट में चेतावनी का अलार्म बज उठा। पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए विमान को तुरंत वहीं रोक दिया और हवाई अड्डा अधिकारियों को सूचित किया। पायलट ने इस घटना के संबंध में शिकायत भी दर्ज कराई है।

जम्मू और श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू

- 50 मिनट में तय होगा 272 किमी का यह लंबा सफर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू और श्रीनगर के बीच पहली सीधी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन शनिवार को धूमधाम से शुरू हो गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दो दिन पहले इसका उद्घाटन किया था। अधिकारियों के अनुसार, 20 डिब्बों वाली यह ट्रेन मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी और इससे दोनों शहरों के बीच

यात्रा समय घटकर पांच घंटे से कम हो जाएगा। पहले यह ट्रेन श्रीनगर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक चलती थी, लेकिन अब यह जम्मू तवी तक जाएगी। फूलों से सजी यह ट्रेन जम्मू रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर सात से श्रीनगर के लिए रवाना हुई।

कटरा नहीं, जम्मू तवी तक जाएगी- यह सेमी-हाई स्पीड ट्रेन जम्मू तवी से श्रीनगर तक लगभग 272 किलोमीटर की दूरी चार घंटे 50 मिनट में तय करेगी जबकि सड़क मार्ग से यात्रा करने में 12 से 24 घंटे तक लगते हैं। इस मार्ग पर रोजाना दो ट्रेनें चलेंगी, जिससे पर्यटकों और तीर्थयात्रियों समेत यात्रियों को बेहतर विकल्प मिलेंगे।

45 हजार टन एलपीजी लेकर भारत आ रहा 'सर्वशक्ति'

- अमेरिकी नाकेबंदी के बीच पार कर गया खतरनाक होर्मुज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में एलपीजी गैस सिलेंडर की दिक्कत के बीच एक बड़ी राहत की खबर है। कम से कम 45 हजार टन एलपीजी लेकर भारत का एक सुपर टैंकर 'सर्वशक्ति' होर्मुज को पार कर गया है जो कि जल्द ही भारत पहुंच सकता है। आपको बता दें कि अमेरिका की नाकेबंदी और ईरान की सख्ती के बीच यह बड़ी सफलता है कि भारत से जुड़ा टैंकर इस रास्ते को पार करके आगे बढ़ गया है। जानकारी के मुताबिक कड़ी सुरक्षा के साथ यह टैंकर भारत के पोर्ट पर पहुंचेगा। इसका चालक दल भी भारतीय ही है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक यह कार्गो शिप भारतीय कंपनियों को गैस उपलब्ध करवाने वाला है। हालांकि इस मामले में एजेंसी ने कोई जवाब नहीं दिया है। इससे पहले देश गरिमा नाम का टैंकर तेल लेकर मुंबई पोर्ट पर पहुंचा था। बता दें कि इस्लामाबाद में वार्ता फेल होने के बाद अमेरिका ने होर्मुज के आसपास नाकेबंदी कर दी थी। इसके बाद सैकड़ों जहाज होर्मुज के आसपास ही रुके हुए हैं।

अमेरिका ने सभी कंपनियों को चेताया- ईरान से तनाव के बीच अमेरिका ने जहाजरानी कंपनियों से कहा है कि वे अगर होर्मुज से गुजरने के लिए ईरान को किसी तरह का शुल्क देंगी तो उन्हे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ जाएगा। होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर अमेरिका और ईरान के मध्य जारी टकराव के बीच अमेरिकी विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) द्वारा शुक्रवार को दी गई चेतावनी ने दबाव और बढ़ा दिया है। आम तौर पर शांति के समय दुनिया के तेल और प्राकृतिक गैस के व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।

ईरान ने बना दिया टोलबूथ

ईरान ने 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा युद्ध शुरू किए जाने के बाद जहाजों पर हमले की धमकियां देकर और हमले करते हुए जलडमरूमध्य को सामान्य आवाजाही के लिए लगभग बंद कर दिया। बाद में, उसने कुछ जहाजों को अपनी तटरेखा के करीब वैकल्पिक मार्गों से मोड़कर सुरक्षित मार्ग प्रदान करना शुरू किया, और कई बार इस सेवा के लिए शुल्क भी वसूला। अमेरिका की प्रतिबंध चेतावनी का मुख्य केंद्र संबंधित टोलबूथ जैसी व्यवस्था है।

400 किमी दूर दुश्मन की पनडुब्बी होगी नेस्तनाबूद

बड़ी कामयाबी! पनडुब्बियों को मिलेगा 'सीक्रेट' सिस्टम

हफ्तों तक पानी में छिपकर करेंगी वार,नेवी होगी ताकतवर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना की ताकत में जल्द ही एक बड़ा इजाफा होने जा रहा है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने पनडुब्बियों के लिए एक क्रांतिकारी एयर-इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन सिस्टम तैयार किया है। इस नए सिस्टम की मदद से भारतीय पनडुब्बियां पानी के अंदर पहले से कहीं ज्यादा समय तक रह सकेंगी। डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत ने आईआईटी बॉम्बे के दीक्षांत समारोह के दौरान यह अहम जानकारी साझा की। नए सिस्टम से डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों की मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। गुजरात के एलएंडटी हजीरा प्लांट में इसका फाइनल काम चल रहा है। डीआरडीओ की नेवल मटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी ने इसे तैयार किया है।

कैसे काम करेगा यह नया सिस्टम, मिलेगी जानकारी

डीआरडीओ चीफ समीर वी कामत ने बताया कि इस प्रोपल्शन सिस्टम का लैंड-बेस्ड प्रोटोटाइप 2021 में टेस्ट किया गया था। अब इसका फुल वर्जन गुजरात के हजीरा स्थित एलएन्डटी प्लांट में तैयारी के अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया- जल्द ही इसे मुंबई के मझगांव डॉक को सौंप दिया जाएगा, जहां इसे 14वीं पनडुब्बी में इंस्टॉल (स्थापित) किया जाएगा। इस नए सिस्टम का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों की सबमर्ज्ड एंड्योरेंस यानी पानी के भीतर रहने की क्षमता को काफी बढ़ा देगा। आसान भाषा में समझें तो पनडुब्बियां अब बिना सतह पर आए लंबे समय तक पानी के भीतर छिपी रह सकेंगी।

डीआरडीओ कई अन्य घातक हथियारों पर भी तेजी से काम कर रहा

पनडुब्बियों की तकनीक के अलावा डीआरडीओ कई अन्य घातक हथियारों पर भी तेजी से काम कर रहा है। समीर वी कामत ने बताया कि डीआरडीओ एक ऐसा मिसाइल-माउंटेड टॉरपीडो (मिसाइल पर लगा टॉरपीडो) विकसित कर रहा है, जो 400 किलोमीटर दूर से ही दुश्मन की पनडुब्बी को तबाह कर सकता है। इसके साथ ही, डीआरडीओ में एक हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल और लेजर-डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (लेजर हथियार) पर भी काम चल रहा है। इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम के बारे में बात करते हुए डीआरडीओ प्रमुख ने अग्नि और पृथ्वी मिसाइलों की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ये मिसाइलें दुश्मन के मन में खौफ पैदा करने (डिटरेंस) का काम करती हैं। कामत ने कहा- इन्हीं मिसाइलों की वजह से अब तक हमें किसी बड़े हमले का सामना नहीं करना पड़ा है।

राष्ट्रपति के पास जा रहे राघव समेत तीन सांसद

5 मई को होगी मुलाकात,निशाने पर पंजाब सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी से हाल ही में नाता तोड़ने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने अब अपनी पुरानी पार्टी और पंजाब सरकार के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। सांसद चड्ढा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात का समय मांगा था, जिसे राष्ट्रपति भवन द्वारा मंजूर कर लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, यह अहम मुलाकात 5 मई को सुबह 10.40 बजे होगी। इस दौरान राघव चड्ढा के साथ तीन अन्य सांसद भी मौजूद रहेंगे, जिन्होंने हाल ही में एएपी का साथ छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि इस प्रतिनिधिमंडल का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रपति को पंजाब की भगवंत मान सरकार की कथित बदले की राजनीति से अवगत कराना है। राघव चड्ढा और अन्य बागी सांसदों का आरोप है कि पंजाब सरकार अपनी शक्तियों और सरकारी मशीनरी का घोर दुरुपयोग कर रही है।

संदीप पाठक के खिलाफ मुकदमा

बता दें कि आम आदमी पार्टी छोड़कर हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक के खिलाफ पंजाब पुलिस ने प्राथमिकियां दर्ज की हैं। सूत्रों ने बताया कि पाठक के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं के तहत दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। हालांकि, प्राथमिकी के बारे में अब तक कोई अन्य जानकारी सामने नहीं आई है।

आप छोड़ भाजपा में गए राघव चड्ढा

यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब पंजाब में राजनीतिक घमासान चरम पर है। 24 अप्रैल 2026 को राघव चड्ढा समेत सात एएपी राज्यसभा सांसदों ने पार्टी छोड़कर भाजपा में विलय का ऐलान किया था। इनमें छह पंजाब से चुने गए सांसद शामिल हैं। एएपी ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इन सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की है, जबकि चड्ढा गुट ने पंजाब सरकार पर दमनकारी रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। एएपी छोड़ने वालों में राघव चड्ढा के अलावा, संदीप पाठक, अशोक कुमार मित्तल, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता और विक्रमजीत सिंह साहनी तथा स्वाति मालीवाल शामिल हैं।

पचमढ़ी में टाइगर की रहस्यमय मौत!

नर्मदापुरम (नप्र)। पचमढ़ी स्थित सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) में एक बार फिर बाघ की मौत का मामला सामने आया है। उदविलाव की तलाश में निकली सर्च टीम को जंगल के बीच हांडी खोद इलाके में एक बाघ का शव मिला। बताया जा रहा है कि शव करीब 10 दिन पुराना है, जो पथरीली खाई के पास पड़ा मिला।

खाई में 10 दिन तक सड़ता रहा बाघ का शव, एसटीआर में एक महीने में दूसरी मौत

प्रारंभिक जांच में बाघ के शरीर के सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं, जिससे शिकार की आशंका फिलहाल कम जताई जा रही है। हालांकि मौत के असली कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। वन विभाग के अधिकारी इसे सामान्य मौत बता रहे हैं, लेकिन लगातार हो रही घटनाओं ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व एरिया में बाघों की रहस्यमयी मौतों का मामला पहले भी सामने आ चुका है। जानकारी के मुताबिक, बीते डेढ़ महीने में यह एसटीआर में दूसरे बाघ की मौत है। इससे पहले 27 मार्च को छिंदवाड़ा के छाताधाम क्षेत्र में एक बाघ का शव गड्ढे में मिला था, जिसे किसान द्वारा करंट लगाकर मारने की बात सामने आई थी। जानकारों का मानना है कि एसटीआर में बाघों की ट्रैकिंग और गश्ती दल की लापरवाही भी सामने आती रही हैं। इस घटना के बाद फिर टाइगर रिजर्व में मॉनिटरिंग सिस्टम और गश्ती व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

'निश्चय रथ' में निशांत कुमार ने शुरू की पहली यात्रा

पिता नीतिश कुमार का लिया आशीर्वाद,जेडीयू में अपार उत्साह

पटना (एजेंसी)। जनता दल यूनाईटेड (जेडीयू) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने रविवार को बिहार में अपनी 'सद्भावना यात्रा' शुरू की। उनकी इस यात्रा के शुभारंभ पर जेडीयू के कार्यकर्ताओं में अपार उत्साह देखने को मिला। पटना में जेडीयू के दफ्तर से जब निशांत कुमार यात्रा पर निकले तो वहां भारी भीड़ मौजूद थी। पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन पर फूल बरसाए और नारे लगाए सद्भावना यात्रा के साथ निशांत कुमार का बिहार की जमीनी राजनीति में पदार्पण हो रहा है। यह वास्तव में जेडीयू के लिए एक महत्वाकांक्षी यात्रा है जिसके जरिए यह पार्टी एक नए चरण में प्रवेश कर रही है। इस यात्रा की शुरुआत पारंपरिक वाद्य तुरही और शंख ध्वनि के साथ की गई। उनके यात्रा वाहन पर नीतिश कुमार की तस्वीर है और लिखा है- बहन-बेटियों के सपने साकार, धन्यवाद नीतिश कुमार। इस वाहन के पीछे इसका नाम 'निश्चय रथ' लिखा है। सद्भावना यात्रा शुरू करने से पहले निशांत कुमार ने कहा कि, यह मेरी पहली राजनीतिक यात्रा है। गांधीजी ने चंपारण से सत्याग्रह शुरू किया था। मैं भी उसी भूमि से अपनी यात्रा शुरू कर रहा हूं। मैंने अपनी यात्रा का नाम सद्भाव यात्रा रखा है।

राजनीतिक भविष्य की राह खोज रहे निशांत

बिहार सरकार में कोई भी पद लेने से इनकार कर चुके निशांत कुमार फिलहाल जेडीयू के सदस्य मात्र हैं। वे जमीन पर जाकर जन-जन से मिलकर एक जन नेता के रूप में अपना राजनीतिक भविष्य तय करना चाहते हैं। रविवार को वे अपनी सद्भाव यात्रा के तहत पटना से चंपारण के लिए रवाना हो गए। उन्होंने पटना से यात्रा पर रवाना होने के पहले पिता नीतिश कुमार से आशीर्वाद लिया। पटना में जेडीयू दफ्तर से निशांत कुमार के यात्रा पर निकलने से बड़ी संख्या पार्टी के कार्यकर्ता एकत्रित हो गए थे। वे निशांत कुमार जिंदाबाद सहित उनके समर्थन में कई नारे लगा रहे थे। नारेबाजी की यह सिलसिला काफी समय तक चलता रहा। इस दौरान वहां फूल मालाओं से सजा पीले रंग का वह वाहन खड़ा था जिससे वे यात्रा कर रहे हैं।

नीतिश ने बदली बिहार की तस्वीर, तकदीर निशांत को सौंपी

जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि, निशांत कुमार को पार्टी के सर्वमान्य नेता के रूप में मान्यता मिल चुकी है। नीतिश कुमार ने बिहार की तस्वीर बदली है। निशांत के हाथ में पार्टी का नेतृत्व भी सौंप दिया गया है और बिहार की तकदीर भी सौंप दी गई है। निशांत की यह यात्रा चरणबद्ध रूप से प्रदेश के प्रत्येक जिले में पहुंचेगी। निशांत कुमार इस यात्रा के दौरान पार्टी के सर्वोच्च नेता, पूर्व सीएम और राज्यसभा सांसद नीतिश कुमार के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक विकास कार्यों, सुशासन, और सामाजिक सद्भाव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएंगे। निशांत बिहार के हर जिले में पंचायत स्तर तक के पार्टी के कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। जेडीयू के नेताओं का दावा है कि निशांत कुमार की इस यात्रा को लेकर पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ-साथ बिहार की आम जनता में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है।

सभी उम्मीदवार पहुंचे मंदिर और की पूजा-अर्चना

बंगाल में मतगणना से पहले बीजेपी का खास प्लान ऐक्टिव

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने अपने सभी विधानसभा उम्मीदवारों के लिए खास घोषणा की थी। उसी के अनुसार सभी रविवार को सारे कैंडिडेट्स अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना की। साथ ही, सभी विधानसभा क्षेत्रों में महिलाएं स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर धरना प्रदर्शन करती नजर आईं। पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती कल 4 मई को होनी है। इस बीच, पश्चिम बंगाल में मतगणना के लिए केंद्र सरकार के कर्मचारियों की तैनाती को लेकर निर्वाचन आयोग के सर्कुलर पर सुप्रीम कोर्ट ने कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों ऐक्टिव हैं।

केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती पर हंगामा

भाजपा नेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, सुप्रीम कोर्ट ने एक और कानूनी झटका देते हुए हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस ने मतगणना पर्यवेक्षक की जिम्मेदारियों से राज्य सरकार के कर्मियों को बाहर रखे जाने को चुनौती देते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

मंत्रालय वल्लभ भवन में हुआ अल्पविराम कार्यक्रम

भोपाल। मंत्रालय वल्लभ भवन में आनंद विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा वल्लभ भवन, सतपुड़ा एवं विंध्याचल भवन के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए अल्पविराम प्रशिक्षण कार्यक्रम (स्वयं की स्वयं से बात) का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । निजी जीवन एवं कार्य स्थल पर आनंद के महत्व को बताया गया। जीवन में आंतरिक आनंद के महत्व को बताया गया। इस अवसर पर मंत्रालय के रजिस्ट्रार मनोज श्रीवास्तव, सहायक पुलिस आयुक्त सुरक्षा अविनाश शर्मा, आनंद विभाग के मास्टर ट्रेनर श्रीमती अंजना श्रीवास्तव, मुकेश, अजीत एवं समन्वयक के रूप में आनंद विभाग के श्री मनु दीक्षित उपस्थित रहे।

एमपी ट्रांसको ने जुलवानिया सब स्टेशन में ऊजीकृत किया 40 एमवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर: ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (नप्र)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने बड़वानी जिले की ट्रांसमिशन नेटवर्क को सुदृढ़ता प्रदान करते हुए 220 केवी सब स्टेशन जुलवानिया में 40 एमवीए क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊजीकृत किया है। इस ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से बड़वानी जिले की ट्रांसफार्मेसन कैपेसिटी बढ़कर 2642 एमवीए की हो गई है, वही जुलवानिया सब स्टेशन की क्षमता बढ़कर 423 एमवीए की हो गई है। मंत्री श्री तोमर ने बताया कि जुलवानिया 220 केवी सब स्टेशन में वर्तमान और भविष्य में बढते लोड को देखते हुए 20 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर के स्थान पर दुगनी क्षमता का ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया है। इस क्षमता वृद्धि से जुलवानिया से जुड़े हजारों घरेलू, कृषि विद्युत उपभोक्ताओं को सीधा लाभ होगा अब उन्हें और अधिक गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति उपलब्ध रहेगी।

- **छह फीडरों के माध्यम से होती है विद्युत आपूर्ति** – एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता श्री सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि 220 केवी सब स्टेशन जुलवानिया से 33 केवी के छह फीडरों के माध्यम से विद्युत आपूर्ति की जाती है। इनमें राजपुर, सेंधवा, नागलवाड़ी, मनवाड़ा, जुलवानिया एवं सेगांव शामिल हैं।
- **बड़वानी जिले में एमपी ट्रांसको के 9 सब स्टेशन** – मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी बड़वानी जिले में अपने 9 सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है जिनमें 400 केवी जुलवानिया की क्षमता 1490 एमवीए, 220 केवी के दो सब स्टेशन जुलवानिया 423 एमवीए एवं सेंधवा 223 एमवीए एवं 132 केवी के 6 सब स्टेशन सेंधवा 113 एमवीए, शाहपुरा 40 एमवीए, बड़वानी 123 एमवीए, पानसेमल 90 एमवीए, पाटी 50 एमवीए, अंजड 90 एमवीए की ट्रांसफार्मेशन क्षमता शामिल हैं, जिनकी कुल ट्रांसफारमेशन क्षमता 2642 एमवीए की है।

सीएम डॉ. यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती को दी जन्मदिन की बधाई

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुश्री उमा भारती को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि सांस्कृतिक उत्थान और जनकल्याण के प्रति सुश्री उमा जी की दूरगामी दृष्टि एवं सेवाभाव अनुकरणीय आदर्श प्रस्तुत करते हैं। मुख्यमंत्री ने मां नर्मदा से सुश्री उमा जी को सुदीर्घ, स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन प्रदान करने की कामना की है।

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय सूर्य दिवस पर दीं शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय सूर्य दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अवसर हमें प्रेरित करता है कि सौर ऊर्जा पर्यावरण-संरक्षण के साथ प्रदूषण से बचाव का उत्तम साधन है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश ने इस क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाई है। हमारा संकल्प है कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में हम सतत् रूप से आगे बढ़ते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी विश्व प्रेस स्तंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता से ही लोकतंत्र, सामाजिक एकता एवं देश की प्रगति के प्रयासों को गति व दिशा मिलती है। मुख्यमंत्री ने मंगलकामनाएं करते हुए कहा कि पत्रकार बंधु सदैव अपने कर्तव्यपथ पर गतिमान रहें और राष्ट्रसेवा में सतत् सहभागी बनें।

भोपाल मंडल से गुजरने वाली कई ट्रेनों के रूट बदले

- **27 मई तक चलेगा रेलवे मेंटेनेंस, यात्रियों को पहले जांचनी होगी ट्रेन की स्थिति**

भोपाल (नप्र)। उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल अंतर्गत जौनपुर जंक्शन पर होने वाले यार्ड रिमॉडलिंग कार्य का असर पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल पर भी दिखाई देगा। 4 मई से 27 मई 2026 तक करीब 24 दिनों तक चरणबद्ध तरीके से चलने वाले इस कार्य के चलते कई ट्रेनों के मार्ग में अस्थायी बदलाव किया गया है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्य यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और ट्रेनों के सुचारू संचालन को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। हालांकि, इस दौरान भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली कई महत्वपूर्ण ट्रेनों को जौनपुर की बजाय वैकल्पिक मार्गों से चलाया जाएगा।

मिट्टी के ढेर से टकराकर पांच बार पलटी कार

- **राजगढ़ में नेशनल हाईवे पर हादसा, रायसेन की महिला की मौत ; नलखेड़ा से लौट रहे थे**

राजगढ़ (नप्र)। राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ में भोपाल-ब्यावरा फोरलेन पर गादिया स्कूल ओवरब्रिज के पास रविवार सुबह मिट्टी के ढेर से टकराकर एक कार पांच बार पलट गई। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई और आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। यह हादसा सुबह करीब साढ़े 10 बजे हुआ। नलखेड़ा से लौट रही कार ओवरटेक करते समय सड़क किनारे पड़े मिट्टी के ढेर पर चढ़कर अनियंत्रित हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।

ओवरटेक के दौरान हादसा

प्रारंभिक जांच में ओवरटेक के दौरान सड़क किनारे पड़े मिट्टी के ढेर को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि ओवरब्रिज निर्माण स्थल पर न तो चेतावनी संकेतक लगाए गए हैं और न ही पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जिसके कारण लगातार ऐसे हादसे हो रहे हैं।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, कुछ दिन पहले इसी जगह एक बस भी पलट चुकी है, जिसमें एक मासूम की मौत हुई थी। पुलिस ने इस मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रायसेन की महिला की मौत

मृतका की पहचान रायसेन निवासी मनीषा (32) पत्नी सेवकराम यादव के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर किया गया है। इनमें चंद्रेश प्रताप भगवती शर्मा (40) के बाएं हाथ में गंभीर फ्रैक्चर और भीम सिंह प्रजापति (44) के सिर में गंभीर चोट आई है। घायलों में कार ड्राइवर आरक्षक लोकेश नरगेस भी शामिल हैं। अन्य घायलों में सरस्वती प्रजापति (42), कृष्णा प्रजापति (13), हल्के कुशवाहा (80), धन सिंह (76), मुन्नी बाई यादव (65), प्रतिभा यादव (40) और 8 माह का मासूम पार्थ यादव शामिल हैं। सभी घायल रायसेन जिले के निवासी बताए गए हैं।

शौक और शराब के लिए चुराने लगे सिलेंडर

- **अंतरराष्ट्रीय तनाव का फायदा उठाकर ऊंचे दाम पर बेचते थे गैस, पुलिस ने पकड़ा गिरोह**

भोपाल(नप्र)। राजधानी की रातीबड़ पुलिस ने एक ऐसे शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जिसने अपने दोस्त के साथ मिलकर केवल घरेलू गैस सिलेंडरों की चोरी का 'बिजनेस' बना लिया था। ताज्जुब की बात यह है कि इन चोरों ने ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव का फायदा उठाया, क्योंकि इससे गैस की सप्लाई प्रभावित हुई और इन्हें सिलेंडर के ऊंचे दाम मिलने लगे।

दिनदहाड़े सूने मकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक – रातीबड़ थाना प्रभारी आरबी शर्मा के मुताबिक, आरोपी सतीश राजपूत (24) और उसका फरार साथी राहुल शर्मा दिन के समय सूने घरों की रेकी करते थे। जैसे ही इन्हें पता चलता कि घर में कोई नहीं है, ये ताला तोड़कर अंदर घुसते और केवल गैस सिलेंडर लेकर चंपत हो जाते। सिलेंडर को बेचना और नकदी में बदलना इनके लिए आसान था।

125 सीसीटीवी कैमरों ने बिगाड़ा खेल – यह मामला 1 मई को तब सामने आया जब एक पीड़ित परिवार विदिशा में शादी अटेंड कर लौटा और घर के ताले टूटे मिले। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए करीब 125 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी सर्विलांस और मुखबिरों की मदद से सतीश को धर दबोचा गया।

आरबी शर्मा, थाना प्रभारी, रातीबड़ ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में कबूला है कि वह और उसका साथी महंगी शराब पीने और अपनी लाइफस्टाइल को मेंटेन करने के लिए यह चोरियां करते थे। आरोपी पहले भी गैस सिलेंडर चोरी के मामले में जेल जा चुका है।

ईरान-इजरायल जंग का उठाया फायदा – पुलिस की पूछताछ में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ। आरोपियों ने बताया कि ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध के कारण मार्केट में गैस की किल्लत की खबरें थीं। इस स्थिति का फायदा उठाकर वे चोरी के सिलेंडर को ऊंचे दामों पर ब्लैक में बेच देते थे। फिलहाल पुलिस सतीश के फरार साथी राहुल की तलाश कर रही है। पुलिस को अंदेशा है कि हाल ही में कोहेफिजा इलाके में एक वकील के घर से हुई 4 सिलेंडरों की चोरी में भी इसी गिरोह का हाथ हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता को पाकिस्तान से धमकी मिली

कॉल पर कहा- खरगोन पहुंचो, मृत्यु हो जाएगी; बोलीं- मैंने बोल दिया, यहां अब राम राज्य

खरगोन (नप्र)। खरगोन के विवेकानंद स्कूल में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता और कवयित्री नाजिया इलाही ने पाकिस्तान से 'मौत का कॉल' आने का खुलासा किया। उन्होंने मंच से कहा कि खरगोन में सिमी की कोशिशें नाकाम रहीं और यह स्थान अब राम राज्य में बदल गया है।

नाजिया इलाही ने अपने काव्यपाठ के दौरान बताया, जब मेरा कारवां खरगोन तक बढ़ा, तब दूर से आवाज आई डरने वाली। नंबर पाकिस्तान का था और कहा जा रहा था कि खरगोन पहुंचो, मृत्यु हो जाएगी। उन्होंने इस धमकी का जवाब देते हुए कहा कि एक समय था जब सिमी और पाकिस्तान के लोगों ने खरगोन को अपवित्र करने की कोशिश की थी, लेकिन अब जिसने मंच सजाया है और सत्ता बनाई है, उसने इसे राम राज्य में बदल दिया है।

अन्य कवियों ने भी काव्य पाठ किया – शनिवार रात हुए इस आयोजन में नाजिया इलाही के अलावा कई अन्य कवियों ने भी काव्य पाठ किया। इनमें मुंबई से बाबा सत्यनारायण मौर्य और डॉ. अनीता आनंद, डॉ. शंभूसिंह मनहर, गीतकार मुकेश शांडिल्य, बालाघाट से अंतू झकास और नागपुर से सरिता सरोज शामिल थीं। विविधा संस्थापक डॉ. मनहर ने बताया कि कवयित्री नाजिया इलाही को अखिल भारतीय हिंदवी गौरव सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, गीतकार डॉ. विष्णु सक्सेना को विद्यापति सम्मान और नर्मदा परिक्रमा साइकिल से करने वाली कवयित्री शारदा ठाकुर (ओंकारेश्वर) को नर्मदा सम्मान 2026 प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था की सालाना स्मारिका निमाड़ स्तवन 2026 का भी विमोचन किया गया, जिसका विषय निमाड़ के संत था।

कार ने पैदल चल रहे परिवार को कुचला

उज्जैन में महिला की मौत; उछलकर दूर गिरे बच्चे; ड्राइवर वहां से भागा

उज्जैन (नप्र)। मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले के उन्हेल क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। नई दिल्ली चौराहा इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे पैदल जा रहे एक परिवार के 5 लोगों को कुचल दिया।

इस हादसे में 55 वर्षीय जमीला बी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तबस्सुम (40), इरशाद (6), शिफा (13) और फरहान (8) गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को उज्जैन के चरक अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

गमी के कार्यक्रम में जा रहे थे सभी – जानकारी के मुताबिक, सभी लोग एक गमी के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान अचानक आई तेज रफ्तार कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सभी लोग दूर जाकर सड़क पर गिर पड़े।

सीसीटीवी में कैद पूरी घटना – घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। फुटेज में साफ दिख रहा है कि परिवार सड़क किनारे चल रहा था, तभी सामने से आई कार ने सीधे टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

ड्राइवर के खिलाफ केस किया दर्ज – उन्हेल थाना प्रभारी संतोष चौहान के अनुसार, कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

कटनी में बाइक अनियंत्रित होकर फिसली, 4 युवक घायल

दो की हालत गंभीर, बाकल ढेरा फाटक पर हफ्ते में तीसरा हादसा

कटनी (नप्र)। कटनी जिले के बाकल थाना क्षेत्र में दमोह रोड स्थित ढेरा फाटक के पास एक बार फिर सड़क हादसा हो गया। रविवार दोपहर करीब 3 बजे पुलिया के पास बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

शादी में जा रहे थे युवक – जानकारी के अनुसार, चारों युवक नोहटा (पिपरिया) से अधराड़ (जिला पन्ना) में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। सभी एक ही मोटरसाइकिल पर सवार थे। पुलिया पर पहुंचते ही बाइक का संतुलन बिगड़ गया और हादसा हो गया।

दो की हालत नाजुक

घायलों की पहचान शान सिंह गोंड़ (13), थान सिंह गोंड़ (35), ओमकार सिंह गोंड़ (25) और साहब सिंह गोंड़ (20) के रूप में हुई है। सभी को पहले बहोरीबंद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर होने पर कटनी जिला अस्पताल रेफर किया गया। इनमें से दो की हालत नाजुक बताई जा रही है।

दतिया में महुअर नदी में डूबे सगे भाई-बहन की मौत

खेलते-खेलते किनारे पहुंचे थे, फिसलन और गहराई बनी हादसे की वजह

दतिया (नप्र)। दतिया में बड़ौनी थाना अंतर्गत भैंसा सुनारी गांव में रविवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में दो सगे भाई बहन की महुअर नदी में डूबने से मौत हो गई। दोनों मासूम अन्य बच्चों के साथ खेलते-खेलते नदी किनारे पहुंच गए थे। जहां गहरे पानी में जाने से हादसा हो गया। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, भैंसा सुनारी स्थित सिद्धपुरा इलाके में रहने वाले महेश केवट के बेटे सुमित केवट (7) और ज्योतिष केवट (5) रविवार दोपहर गांव में खेल रहे थे। खेलते-खेलते दोनों महुअर नदी किनारे पहुंच गए। बताया जा रहा है कि नदी के किनारे फिसलन और गहराई अधिक होने के कारण दोनों बच्चे पानी में चले गए और डूबने लगे।

मौके पर मौजूद लोगों ने बाहर निकाला

मौके पर मौजूद लोगों ने बच्चों को पानी से बाहर निकाला और तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के समय बच्चों के माता-पिता दतिया शहर बाजार में रिश्तेदारी के कार्यक्रम के लिए खरीदारी करने आए थे। बच्चों को परिवार के अन्य सदस्यों के भरोसे छोड़कर गए थे। दोपहर करीब 1 बजे उन्हें हादसे की सूचना मिली। जिसके बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

सूचना मिलने पर बड़ौनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

भिंड में युवक की कुएं में गिरने से मौत

पारिवारिक विवाद से था परेशान, आत्महत्या की आशंका

भिंड (नप्र)। भिंड के नयागांव थाना क्षेत्र में 31 वर्षीय युवक की कुएं में गिरने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद शव को कुएं से बाहर निकाला। जानकारी के मुताबिक, गढ़ी सुल्तान गांव निवासी अर्जुन जाटव अज्ञात कारणों के चलते कुएं में गिर गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों ने पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से युवक को बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। नयागांव थाना प्रभारी वैभव तोमर ने बताया कि मृतक का अपनी पत्नी से लंबे समय से विवाद चल रहा था। करीब एक सप्ताह पहले पत्नी ने उसके खिलाफ मारपीट का मामला भी दर्ज कराया था।

तनाव में था, शराब का बढ़ गया था सेवन

पुलिस के अनुसार, पारिवारिक विवाद के चलते युवक मानसिक तनाव में था और हाल के दिनों में शराब का सेवन भी अधिक करने लगा था। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि तनाव के चलते युवक ने कुएं में कूदकर आत्महत्या की है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है।

संपादकीय

महंगाई का बम !

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण उपजे ऊर्चा संकट के बीच जैसी कि संभावना थी, भारत में भी महंगाई का बम फटना शुरू हो गया है। यह लगभग तय था कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के चलते सरकार ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगी कि जिससे मतदाताओं में विपरीत संदेश जाए, लेकिन इन राज्यों में मतदान के बाद मतदाताओं के पास नाराजी जताने के अलावा कुछ नहीं बचा है। लिहाजा सरकार ने कमर्शियल गैस सिलेंडर और पांच किलो वाले छोटू सिलेंडर की कीमतों में भारी वृद्धि कर दी है। इसका सीधा गरीब और मध्यम वर्ग पर पडेगा। इसको लेकर देश में राजनीति भी शुरू हो गई है। इसके पहले सरकार हवाई जहाजों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन के दाम बढ़ा ही चुकी थी, जिसके परिणामस्वरूप विमान कंपनियों ने किराए बढ़ा दिए थे। एयर इंडिया जैसी कंपनियां तो अब फ्लाइटें भी कम करने जा रही हैं। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चार दिन पूर्व ही सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था कि अब देश में महंगाई बम फूटने ही वाला है। फर्क इतना रहा कि सरकार ने गैस के दाम 9 अप्रैल की बजाए एक दिन बाद बढ़ाए। कांग्रेस ने कहा कि 'कमर्शियल सिलिंडर सिर्फ 4 महीने में 1518 रुपए महंगा हो गया। अभी साल के 8 महीने बाकी हैं। मोदी की वसूली जारी है...। मोदी सरकार सिर्फ वसूली करना जानती है। अब 5 किलो वाला छोटू सिलिंडर भी महंगा कर दिया। पहले आधार कार्ड पर सिलिंडर बांटे, फिर उसका दाम बढ़ा दिया। ये बड़े चालबाज लोग हैं।' चायवाला, ढाबा, होटल और बेकरी, हलवाई- हर किसी की रसोई पर बोझ बढ़ा और इसका असर आपकी थाली पर भी पड़ेगा। पहला वार गैस पर, अगला वार पेट्रोल-डीजल पर।' इसके पहले सरकार ने संकेत दिए थे कि वह घरेलू रसोई गैस के दाम नहीं बढ़ाएगी। लेकिन वह भी जल्द बढ़ने वाले हैं, क्योंकि कहा जा रहा है कि तेल और गैस कर्पनियां महंगे तेल और कम आपूर्ति के चलते पहले ही भारी घाटे में हैं। इसकी पूर्ति के लिए जरूरी है कि बढ़ी कीमतों का बोझ जनता पर डाला जाए। वही सरकार ने किया भी है। जहां तक कमर्शियल गैस सिलेंडर की बात है तो बीते चार माह में सरकार उसके चार बार दाम बढ़ा चुकी है। इससे खाना पकाना महंगा हो गया है। लिहाजा रेस्टॉरेंटों ने भी खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ा दिए हैं। लेकिन मरण उन छोटे व्यवसायियों का है, जो पहले ही बहुत कम मार्जिन पर काम करते हैं। कमर्शियल गैस सिलेंडर की मंहगाई की मार सीधे उनकी कमाई पर होगी। जल्द ही महंगाई की गाज पेट्रोल- डीजल और सीएनजी पर भी पड़ने वाली है। क्योंकि होर्मुज स्ट्रेट का संकट जल्द सुलझने के आसार नही हैं। ईरान और अमेरिका दोनो ही अपनी अपनी बात पर अड़े हुए हैं। खाड़ी देशों से तेल और गैस की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हो रही है। हालांकि भारत सरकार अन्य देशों से भी तेल और गैस की आपूर्ति करने की कोशिश कर रही है, लेकिन खाड़ी देशों जितना सस्ता माल कहीं नहीं मिलेगा। लिहाजा तेल और गैस की आपूर्ति में भले ज्यादा बाधा न आए, लेकिन उसकी कीमत सभी को परेशान करेगी। ईंधन महंगा होने का असर जीवन के हर क्षेत्र में दिखाई पड़ता है। और वह दिखेगा।

नजरिया

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक पत्रकार हैं।

सायोनी घोष : पश्चिम बंग की सितारा नेत्री

वह युवा है। सुदर्शना हैं। चपल और वाकपटु है। अपनी प्रांजल भाषा और शैली से उनमें लाखों की भीड़ को मंत्रमुग्ध करने की सामर्थ्य है। वह लोगों से वाणी के माध्यम से 'कनेक्ट करने की कला में लासानी है। सियासत में आये हुये उन्हें ज्यादा अर्सा नहीं हुआ है लेकिन संसद से सड़क तक उनकी सक्रियता 'शी इज मेड फॉर पॉलीटिक्स' की तस्दीक करती है। यूं तो खांटी बंगला-भाषी परिवार में जनमी हैं, अलबत्ता उन्हें हिन्दी और बंगला पर समान और यकसां अधिकार है। उनका लहजा बाज वक्त किंचित चुगली जरूर करता है, किंतु उनका शब्द-विन्यास और रवानी लोगों को 'इंप्रेस करता है। पश्चिम बंगाल में चुनावी बेला में उनके गाये गीत 'आमार हृदय माझे काबा, नयने मदीना (मेरे दिल में काबा है, आँखों में मदीना) गली-कूचो में गूंज रहा है। चुनावी सभाओं की उनकी आकर्षक प्रस्तुति ने इसे बंगाल में ओरछोर गुंजित कर दिया है। वह चंचला है, लिहाजा मंच पर वह एक ठौर थिर नहीं रहती, बल्कि अपनी भंगिमाओं और गति से पूरा मंच छेंक लेती है। वह 'ला इलाह' से शुरू कर कुरान की आयतें सुना सकती हैं और आद्योपांत हनुमान चालिसा का पाठ भी कर सकती हैं। उनकी वाणी में व्यंग्य विनोद है और दंश भी।

सायोनी घोष इन दिनों सुर्खियों में हैं। वह ख्याति के हिंडोले में सवार है। उनकी वाग्प्रगल्भता की बदौलत उनकी प्रसिद्धि का चपल अश्व संसद की प्राचीर कभी का लांघ चुका था, लेकिन पश्चिम बंगाल में प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव की कश्मकश के दरम्यां वह सूबे की सरहदों को पार कर देश में चतुर्दिक प्रसिद्ध हो गयी हैं। पश्चिम बंगाल के चुनाव में वह सर्वाधिक चहेती और लोकप्रिय सितारा नेत्री बनकर उभरी हैं।

वह युवा है। सुदर्शना हैं। चपल और वाकपटु है। अपनी प्रांजल भाषा और शैली से उनमें लाखों की भीड़ को मंत्रमुग्ध करने की सामर्थ्य है। वह लोगों से वाणी के माध्यम से 'कनेक्ट करने की कला में लासानी है। सियासत में आये हुये उन्हें ज्यादा अर्सा नहीं हुआ है लेकिन संसद से सड़क तक उनकी सक्रियता 'शी इज मेड फॉर पॉलीटिक्स' की तस्दीक करती है। यूं तो खांटी बंगला-भाषी परिवार में जनमी हैं, अलबत्ता उन्हें हिन्दी और बंगला पर समान और यकसां अधिकार है। उनका लहजा बाज वक्त किंचित चुगली जरूर करता है, किंतु उनका शब्द-विन्यास और रवानी लोगों को 'इंप्रेस करता है। पश्चिम बंगाल में चुनावी बेला में उनके गाये गीत 'आमार हृदय माझे काबा, नयने मदीना (मेरे दिल में काबा है, आँखों में मदीना) गली-कूचो में गूंज रहा है। चुनावी सभाओं की उनकी आकर्षक प्रस्तुति ने इसे बंगाल में ओरछोर गुंजित कर दिया है। वह चंचला है, लिहाजा मंच पर वह एक ठौर थिर नहीं रहती, बल्कि अपनी भंगिमाओं और गति से पूरा मंच छेंक लेती है। वह 'ला इलाह' से शुरू कर कुरान की आयतें सुना सकती हैं और आद्योपांत हनुमान चालिसा का पाठ भी कर सकती हैं। उनकी वाणी में व्यंग्य विनोद है और दंश भी। वह मौके पर तंज करने से नहीं चूकती। वह अमित शाह की बातों को जुमला करार देती हैं और संसद में सहास्य कहती हैं कि यहाँ तो कैमरे भी 'कंप्रोमाइज्ड' हैं। आशय यह कि बोल विपक्षी नेता रहा होता है, मगर कैमरा दिखाता है सत्ता पक्ष के नेता को। लगे हाथों वह कहने से नहीं चूकतीं कि हम आह भी नहीं भरते हैं तो हो जाते हैं बदनाम। वो कत्ल भी करते हैं तो चर्चा नहीं होता।

सायोनी को संसद में प्रवेश किये फकत दो साल हुए हैं, लेकिन इस कम अर्से में अपनी तहरीरों से उन्होंने सबका ध्यान खींचा है। शब्दों की तीखी फुलझड़ियां छोड़ने में वह महुवा मोइत्रा की नवोदिता जोड़ीदार हैं। वह संसद में बोलती हैं, तो बरबस दशकों पहले की तारकेश्वरी सिन्हा याद हो आती हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बैनर्जी उनकी आदर्श या 'आइकॉन' हैं। सभाओं में दीदी का नारा दोहराती हैं : 'कोरबो, लोड़बो, जीतबो।' वह सेक्यूलर मूल्यों की ध्वजवाहक है; हिन्दू-मुस्लिम ऐक्य की हिमायती। सभाओं में वह गुनगुनाती हैं तू हिन्दू बनेगा न मुसलमान बनेगा इंसान की औलाद है, इंसान बनेगा। सायोनी घोष ग्लैमर की दुनिया से राजनीति में आई हैं। वह बंगला टीवी और फिल्मों की सफल, प्रशंसित और पुरस्कृत कलाकार हैं। लेकिन उनकी सादगी उन्हें सर्वथा अलग पायदान पर खड़ा कर देती है। सफेद या हल्के रंग की चौड़े पाट की साड़ी, माथे पर बड़ी लाल गोल बिंदी और पांवों में हवाई चप्पल। पहरावे में ही नहीं, प्रवृत्ति में भी वह ममता दी की अनुगामिनी हैं : मुखर और संघर्ष चेता। उन्हें देखकर, उनके लुक, उनके हावभाव, उनकी तुर्शी और त्वरा देखकर ममता दीदी के प्रतिरूप का आभास होता है। लगता है कि कहीं यह 'बांग्लार मेये' दीदी की छोटी बहन तो नहीं है। उनमें दीदी के नक्शे-पा चलने की ख्वाहिश भी नजर आती है। वह प्रायः कहती हैं : बंगाल की नारी। हवाई चप्पल, सफेद साड़ी। ममता दी हमारी। भाजपा पर भारी। वह बीजेपी को बांग्ला-विरोधी और बांग्ला-भाषा विरोधी बताती हैं और भाजपा को समस्या तथा दीदी को समाधान निरूपित करती हैं। शेरो-शाइरी की शौकीन सायोनी चुटकी लेती हैं : मोहब्बत चांद से होती है, सितारों से नहीं। मोहब्बत दीदी से होती है, मोदी-शाह से नहीं।' बंगाल की मिट्टी को पवित्र बताकर वह कहती हैं : बंगाल मध्यप्रदेश नहीं है। बंगाल गुजरात नहीं है। बंगाल राजस्थान या हरियाणा भी नहीं है। वह फख्र से कहती हैं कि बंगाल में धर्म के आधार पर बंटवारा नहीं होता और भाईचारा यहां की पहचान और ताकत है। किस्सा-कोताह यह कि इस फायर ब्राण्ड नेत्री ने पश्चिम बंगाल में टीएमसी की जीत के लिये सारी ताकत झोंक दी है।

ऐसा नहीं है कि सायोनी की राजनीतिक यात्रा की शुरुआत सफलता से हुई हो। उनका जन्म कोलकाता में 27 जनवरी, सन 1993 को हुआ। परिवार गैर राजनीतिक था। मां सुदीपा और पिता समीर घोष को अनुमान न था कि उनकी बिटिया सितारा नेत्री बनकर उभरेगी। हां उसके अभिनय और गायन प्रतिभा के लक्षण कैशोर्य में ही दिखने लगे थे। सन् 2010 से शुरू उनका फिल्मोग्राफी का करियर दिनोंदिन परवान चढ़ता गया। उन्होंने कितनी ही फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी सीरियलों में काम किया और अवार्ड बटोरे। नोटोबर नाटआउट से शुरू उनका फिल्मी करियर पुनश्च, अंतराल, अरण्यदेव, बिटनून, शोत्रु, आगुन, अपराजितो, रहस्यमय, सांझ बाती, मायेर बिये, चौखट, कानामाछी, राजकाहिनी, नेटवर्क, द्विखंडितो, किछू ना बोला कोथा, प्रतिद्वंद्वी और आरो एक बार आदि में सफलतापूर्वक आगे बढ़ा। वह वेबसीरीज पाकेटमार (2017) चरित्रहीन (2018) बोइ केनो साइको (2019) में भी नजर आईं। टीवी चैनेलस्टार जलसा में भी उन्होंने चमक बिखेरी और पार्श्व गायन (कोठीन) भी किया। राजकाहिनी (2015) और अंजनदत्त निर्देशित व्योमकेश ओ चिरिया खाना (2016) में उनका अभिनय सराहा गया। सौरभदास, रुद्रनील घोष और इंद्राशीष राय के साथ उनकी जोड़ी सफल रही। श्रीजीत मुखर्जी और विश्वजीत चक्रवती जैसे निदेशकों ने उनकी प्रतिभा को पहचाना। छोटे पर्दे पर वह सन 2022 में सिटी आफ जैकाल्स और बिट्नून में ऋत्विक चक्रवर्ती के साथ दिखाई दीं। डेली सीरियल प्रोलोय आपूछे ने उन्हें घर-घर में पहुंचा दिया। सन् 2010 में उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस, सन् 2013 में पीपुल्स च्वायस और सन् 2016 में बेस्ट एंकर अवार्ड मिले।

सायोनी ने सन् 2021 में तृणमूल कांग्रेस ज्वाइन की और उसी साल आसनसोल दक्षिण से असेंबली के लिये चुनाव लड़ा। लेकिन वह बीजेपी के अग्निमित्र पाल से हार गयीं। उनकी प्रतिभा को चीन्ह कर ममता दी ने उन्हें जून 21 में पार्टी की यूथ विंग का अध्यक्ष बना दिया। अभिषेक बैनर्जी की जगह लेना बड़ी बात थी। उन्होंने अथक मेहनत की और दीदी के भरोसे को बटटा नहीं लगने दिया। सन् 2024 के चुनाव में वह जादवपुर से ढाई लाख से अधिक मतों से लोकसभा के लिये चुनी गयीं। यह वही जादवपुर है, जहां से दशकों पहले युवा ममता बैनर्जी ने माकपा के दिग्गज सोमनाथ चटर्जी को हराकर राजनीति में धमाका किया था।

संसद की यह युवा सुदस्या फिलवक्त सड़क पर है। मकसद है असेंबली चुनाव में टीएमसी की जीत। वह आरोपों से बिंधी रही है और 21 नवंबर, सन् 22 को उन्हें उपद्रव, हिंसा और कदाचार के आरोप में त्रिपुरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। वर्धमान में कर्जन द्वार संबंधी बयान भी विवाद का विषय रहा। उन पर भर्ती घोटाले में संलिप्तता का आरोप लगा और जून 24 ईडी ने उनसे लगातार दस घंटे पूछताछ की। यही सायोनी अब पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार में लिप्त है। वह बस्ती-बस्ती, द्वारे-द्वारे जा रही है। उन्हें सुनने के लिये सर्वत्र भीड़ जुटती है। टॉलीवुड की सायोनी नैन, बैन, और सैन की महत्ता जानती हैं। उनका यकीन इस कथन में झलकता है कि जोतोई कोरो हमला, आबार जितबे बांग्ला।' देखना दिलचस्प होगा कि सायोनी की पार्टी मोदी-शाह की पार्टी पर सयानी पड़ती है या नहीं और और जनादेश 'निजेर मेये केई चाई' (बंगाल अपनी बेटी को चाहता है) की पुष्टि करता है या नहीं?

बंगाल का जनादेश

जयदेव राठी

लेखक अधिवक्ता हैं।

भरोसा बदलाव का या विश्वास ममता का?

पश्चिम बंगाल की धरती एक बार फिर लोकतंत्र के महायज्ञ की साक्षी बनी। 23 अप्रैल और 29 अप्रैल 2026 को दो चरणों में 294 विधानसभा सीटों पर मतदानसम्पन्न हुआ और अब 4 मई 2026 को मतगणना होगी। इस चुनाव ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है, इसलिए नहीं कि यह महज एक राज्य का चुनाव है, बल्कि इसलिए कि यह उस प्रश्न का उत्तर देगा। जिसे करोड़ों बंगालवासीवर्षों से अपने मन में संजोए बैठे हैं, क्या बदलाव संभव है? क्या पंद्रह वर्षों की सत्ता के बाद टीएमसी का किला ढहेगा, या फिर ममता की जनहितकारी योजनाओं का जादू एक बार और चलेगा? यह चुनाव केवल सत्ता के लिए नहीं है। यह बंगाल की आत्मा का चुनाव है। एकतरफ भाजपा का भरोसा विकास, सुरक्षा और भ्रष्टाचार-मुक्त शासन का वादा। दूसरी तरफ टीएमसी का विश्वास कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ा वह वर्ग, जो ममता बनर्जी को 'दीदी' कहकर पुकारता है।

पश्चिम बंगाल के पहले चरण में 23 अप्रैल को 92.88 प्रतिशत का ऐतिहासिक मतदान हुआ। 152 सीटों पर हुए इस मतदान में 12 जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक वोटिंग दर्ज हुई, जिसमें दक्षिण दिनाजपुर, कूचबिहार, बीरभूम और मुर्शिदाबाद जिले सबसे आगे रहे। दूसरे चरण में भी मतदान 91 प्रतिशत के आसपास रहा। यह संख्या किसी आँकड़े से अधिक है, यह बंगाल की जनता की उस चेतना का प्रमाण है जो वर्षों की राजनीतिक हिंसा और भय के बावजूद जीवित रही। 2021 के विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में कुल 82.30 प्रतिशत मतदान हुआ था और 2011 में जब ममता बनर्जी पहली बार वाम दलों को हराकर सत्ता में आई थीं, तब भी केवल 84 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसका अर्थ यह है कि इस बारका मतदान प्रतिशत पिछले सभी चुनावों से कहीं अधिक है। पश्चिम बंगाल के इतिहास में जब भी सत्ता परिवर्तन हुआ है, वह अत्यधिक मतदान के साथ ही हुआ है।

इस भारी मतदान को जहाँ भाजपा सत्ता-विरोधी लहर के रूप में देख रही है, वहीं तृणमूल कांग्रेस को अपने मजबूत लाभार्थी वर्ग पर भरोसा है जो चुनाव समीकरण बदल सकता है। यही इस चुनाव की केन्द्रीय पहेली है, क्या यह भीड़ परिवर्तन चाहती है या परिचित चेहरे को फिर से स्वीकार करने आई है? इस चुनाव की पृष्ठभूमि में पंद्रह वर्षों की टीएमसी सरकार के प्रतिसत्ता-विरोधी भावना, रोजगार संकट, भर्ती घोटाला, महिला सुरक्षा और सीमा पार घुसपैठ के प्रश्न प्रमुख रहे। भाजपा ने रोजगार और औद्योगिक पुनरुद्धार को अपना मुख्य मुद्दा बनाया, जबकि टीएमसी ने कल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी ढाँचे के विस्तार का हवाला दिया। टीएमसी की बौखलाहट चुनाव प्रचार के दौरान भी दिखी। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार और हत्याकांड इस चुनाव में एक भावनात्मक धुरी बन गया। पीड़िताके पिता का मतदान केंद्र पर जाते समय भावुक हो जाना, यह बंगाल की उस पीड़ा का प्रतीक था जो शब्दों में नहीं कहीं जा सकती। महिला सुरक्षा का प्रश्न महज राजनीतिक नहीं रहा यह हर माँ और बहन की चिंता बन गया।

एसआईआर विवाद और मतदाता सूची का प्रश्न इस चुनाव की एक बड़ी विवादास्पद पृष्ठभूमि विशेष गहन पुनरीक्षण की रही। जबकि मतुआ समुदाय सहित दलित हिंदू भी प्रभावित हुए। टीएमसी ने इसे वास्तविक मतदाताओं के मताधिकार हरण का षड्यंत्र कहा, जबकि भाजपा ने इसे फर्जी और अवैध प्रविष्टियों की सफाई बताया।

मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल के अनुसार एसआईआर की प्रक्रिया के कारण मृत और स्थानांतरित मतदाताओं के नाम सूची से हट गए, जिसके चलते मतदान प्रतिशत स्वाभाविक रूप से बढ़ा। कई प्रवासी मतदाता भी इस भय से अपने गृह राज्य लौटकर वोट डालने आए कि कहीं उनका नाम सूची से न कट जाए। भाजपा ने 2021 में 77 सीटें जीतकर और सुवेंदु अधिकारी द्वारा नंदीग्राम में ममता बनर्जी को पराजित करके यह सिद्ध कर दिया था कि टीएमसी को हराना असंभव नहीं है। इस बार सुवेंदु अधिकारी ने भवानीपुर में ममता की अपनी सीट पर चुनाव लड़कर जो दुस्साहस दिखाया है, वह भाजपा के बढ़ते मनोबल काप्रमाण है। भाजपा का प्रदर्शन ओडिशा, असम और हरियाणा जैसे राज्यों की यात्रा का अनुसरण करता दिखता है, जहाँ पहले हाशिए पर रहने के बाद पार्टी ने एक ही छलाँग में सत्ता हासिल की। ओडिशा में 2019 में 23 सीटों से 2024 में 78सीटें, असम में 2011 में 5 सीटों से 2016 में 60 सीटें – ये आँकड़े भाजपा के लिए प्रेरणादायक हैं। चुनाव आयोग की 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग, एआई आधारित निगरानी और केंद्रीय बलों की 2,450 कंपनियों की तैनाती ने मतदाताओं में सुरक्षा का भाव जगाया। यह बदलाव इस रूप में प्रकट हुआ कि जो भाजपा समर्थक पहले कैमरे के सामने बोलने से डरते थे, वे इस बार खुलकर अपनी बात रखने लगे।ममता सरकार ने लक्ष्मी भंडार योजना के तहत राशि बढ़ाकर सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए 1,500 रुपये और एससी-एसटी वर्ग के लिए 1,700 रुपये मासिक कर दी। इस योजना से राज्य की करीब 2.2 करोड़ महिलाएँ जुड़ी हुई हैं। यह वर्ग टीएमसी का वह मजबूत आधार है जिसे तोड़ना भाजपा के लिए सबसे बड़ीचुनौती है।

किन्तु दूसरे चरण की 142 सीटें टीएमसी का वह गढ़ हैं जहाँ 2021 में तृणमूल ने 123 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा केवल 18 सीटें ही जीत सकी थी।दूसरे चरण में कोलकाता, हावड़ा, उत्तर और दक्षिण 24 परगना, नदिया, हुगलीऔर पूर्व बर्धमान जैसे जिले हैं जो परम्परागत रूप से टीएमसी का गृह क्षेत्र माने जाते हैं। चुनावी हिंसा के आरोप भी कम नहीं लगे। मुर्शिदाबाद में करीब 100 जिंदा बमबरामद हुए, नदिया जिले में भाजपा के बूथ एजेंट पर हमले के आरोप लगे और मिनाखा विधानसभा में मतदाताओं को बूथ पर न जाने की धमकी दी गई। इन घटनाओं ने यह सिद्ध किया कि टीएमसी का 'सिंडिकेट राज' अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।

4 मई को जब मतगणना होगी, तब यह स्पष्ट होगा कि बंगाल ने किसे चुना – भाजपा के भरोसे को या टीएमसी के विश्वास को। यदि रिकॉर्ड मतदान वास्त में सत्ता-विरोधी लहर का प्रतीक है, तो 2026 का बंगाल 2011 जैसा ऐतिहासिक परिवर्तन देखेगा। लेकिन यदि ममता के कल्याणकारी कार्यक्रमों से जुड़े करोड़ों लाभार्थियों ने अपनी 'दीदी' पर भरोसा बनाए रखा, तो टीएमसी फिर से सत्ता में लौटेगी। बंगाल के इस जनादेश में एक गहरा संदेश छिपा है, लोकतंत्र तब जीवित रहता है जब नागरिक भय को त्यागकर मतदान केंद्र तक पहुँचते हैं। 93 और 91 प्रतिशत मतदान का यह आँकड़ा बताता है कि बंगाल की जनता अब मूकदर्शक नहींहै। वह अपना भाग्य खुद लिखना चाहती है। चाहे परिणाम कुछ भी हो, यह मतदान अपने आप में बंगाल के लोकतांत्रिक संकल्प की विजय है।

इस तरह भी सीखते हैं

दृष्टिकोण

श्याम बोहरे

मध्यप्रदेश जैव विविधता बोर्ड ने पन्ना राष्ट्रीय उद्यान में स्कूल के बच्चों के लिए पर्यावरण शिक्षण के लिए मोगली उत्सव आयोजित किया था। मुख्य आयोजन से पहले शिक्षकों के साथ जंगल भ्रमण कर यह तय कर रहे थे कि बच्चों को जंगल में लायेंगे तो कहां कहां रुक कर क्या क्या दिखायेंगे। जंगल में रास्ता दिखाने के लिए मजदूरी करने वाली लगभग 25 वर्ष उमर की माया हमारे साथ थी। जंगल में जहां भी गुटका, चाकलेट, बिस्किट, बीड़ी, सिगरेट आदि के उपयोग करके फेके गए पैकेट पॉलीथिन आदि का कचरा दिखता माया उसे उठाकर चुपचाप अपनी थैली में रखती जाती। कुछ देर बाद झिझकते हुए एक शिक्षक ने कचरा उठाना शुरू कर दिया, फिर एक दूसरे और तीसरे को देखकर सभी शिक्षकों ने कचरा बीनना शुरू कर दिया। ध्यान देने की बात यह थी कि कचरा उठाने के लिए किसी ने किसी से कुछ नहीं कहा,बस, एक दूसरे की देखादेखी अपने आप उठाना शुरू कर दिया। जब उत्सव शुरू हुया तो करीब 300 छात्र और शिक्षक, 10 - 10 की टोली में पहले से प्रशिक्षित शिक्षकों के साथ जंगल भ्रमण के लिए गये तो प्रशिक्षित शिक्षक ने जंगल में पहले की तरह चुपचाप जहां कहीं कचरा दिखता उठाना शुरू कर दिया। इस बार भी वही हुआ पहले थोड़ी बहुत झिझक, उसके बाद एक दूसरे की देखादेखी सभी ने कचरा उठाना शुरू कर दिया। प्रतिदिन यही होता। तीसरे दिन तक तो जंगल से लाये गए कचरे का बहुत बड़ा ढेर लग गया। इस कचरे का करें क्या? पन्ना से आये बुजुर्ग शिक्षक देवी दयाल चतुर्वेदी ने मैदान के बीच में उस कचरे का विशाल पुतला बना दिया जो आकर्षण का केन्द्र होने के साथ साथ पर्यावरण शिक्षण की अनौपचारिक चर्चा का माध्यम भी बन गया।

इस घटना से समझ में आया कि अनौपचारिक तरीके से हुए साधारण काम से भी कितना अधिक सीखते रहते हैं। एक दूसरे के काम देखकर बिना कहे हम जिन्दगी में कितना अधिक सीखते रहते हैं? जिसका कोई शैक्षिक दस्तावेज तैयार नहीं होता। देखने सुनने में साधारण लगने वाली घटना हमें सफाई, अनुशासन, पर्यावरण की चिंता, अनकहा संदेश भी प्रभावी होता है , एक दूसरे से सीखना, सीखने के अनौपचारिक तरीके आदि अनेकों सबक सिखाती है। चीन की प्रसिद्ध शैक्षिक कहावत भी समझने में मदद मिली- ' मैंने सुना भूल गया, मैंने देखा याद रहा ,मैंने करके देखा समझ गया '।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

शांति से ज्यादा तमगे की चिंता!

व्यंग्य

श्याम यादव

(पत्रकार और व्यंग्यकार)

एक समय था, जब चौधरी साहब समझाते थे 'बात कर लो, झगड़े से कुछ नहीं होगा।' खासकर एक पड़ोसी को यह बात बार-बार समझाई जाती थी। लहजा ऐसा जैसे सामने वाला अभी क ख ग ही सीख रहा हो। पड़ोसी सुनता था। कभी मानता, कभी टाल देता। कभी सिर हिलाता, कभी चुप रह जाता। मगर बात वहीं अटकी रहती 'समझौता कर लो।'

बड़े चौधरी ने लाख कोशिश कर ली, मगर उनकी ख्वाहिश हकीकत में नहीं बदल सकी। शांति का तमगा हर बार उनके हाथ से ठीक पहले ही खिसक जाता है। वे आज भी कहते हैं 'हमने बहुत समझौते कराए हैं। यह बात अलग है कि जिनके नाम पर कराए, उन्हें ही इसकी खबर नहीं होती। कभी-कभी तो लगता है, कि समझौते से ज्यादा उसके ऐलान की तैयारी रहती है। पहले बयान आता है, फिर तस्वीर बनती है और आखिर में पता चलता है कि मामला वहीं का वहीं है। मगर चौधरी साहब की फाइल में सब कुछ ठीक-ठाक दर्ज रहता है 'समझौता कराया गया।'

एक समय था, जब चौधरी साहब समझाते थे 'बात कर लो, झगड़े से कुछ नहीं होगा।' खासकर एक पड़ोसी को यह बात बार-बार समझाई जाती थी। लहजा ऐसा जैसे सामने वाला अभी क ख ग ही सीख रहा हो। पड़ोसी सुनता था। कभी मानता, कभी टाल देता। कभी सिर हिलाता, कभी चुप रह जाता। मगर बात वहीं अटकी रहती 'समझौता कर लो।'

समझाने का यह सिलसिला भी अजीब था। हर बार नई शुरुआत की तरह होता, और हर बार वहीं आकर रुक जाता। जैसे दोनों को पहले से पता हो कि अंत क्या होगा, फिर भी भूमिका निभानी जरूरी है। अब वक्त बदला है। चुपचाप बदला है। कोई बड़ा ऐलान नहीं हुआ, कोई ढोल नहीं बजा। बस एक दिन देखा गया कि जगहें बदल गई हैं। वही पड़ोसी, जो कभी सुनता था, अब बीच में खड़ा है। अब वही बड़े चौधरी को समझा रहा है 'समझौता कर लीजिए।'

आवाज़ में वही ठहराव है, जो उसने बरसों सुना था। शब्द भी वही हैं, बस दिशा बदल गई है और जिनके बीच खड़ा है, वे अपनी-अपनी जिद पर पुराने हैं। दोनों जानते हैं कि बात कहां अटकनी है, और कैसे आगे बढ़ानी है। फिर भी बातचीत चलती है, क्योंकि बातचीत का चलना भी एक खबर होता है। बीच वाला अब सिर्फ संदेशवाहक नहीं रहना चाहता। वह दिखाना चाहता है कि वह भी बात मनवा सकता है। यह सिर्फ समझौता नहीं है, यह वही जगह पकड़ना है, जहाँ खड़े होकर कभी उसे समझाया जाता था। बड़े चौधरी यह सब देख रहे हैं। उनकी अपनी कही बातें अब भी हवा में तैर रही हैं। बस आवाज़ बदल गई। कभी वे कहते थे 'बातचीत ही रास्ता है। आज वही बात किसी और के मुंह से सुनाई देती है। फर्क इतना है कि अब सुनने की बारी उनकी है। जो कभी समझाता था, वह अब चुप है।

जो कभी सुनता था, वह अब समझा रहा है। यह सब ऐसे हो रहा है जैसे होना ही था। और यहीं बात पलट जाती है। कल तक जिसे कहा जाता था कि समझौता कर लो, आज वही खड़ा है और कह रहा है 'आप दोनों समझौता कर लीजिए।' यह वाक्य जितना सीधा है, उतना ही भारी भी। क्योंकि, इसमें सिर्फ सलाह नहीं है, उस जगह पर खड़े होने का दावा भी है। जिस शांति के तमगे के लिए बड़े चौधरी बरसों हाथ-पांव मारते रहे, अब वही तमगा पड़ोसी लेने पर उतारू है। इस बार वह सिर्फ कह नहीं रहा, जुटा हुआ है। मुलाकातें हो रही है, बातें हो रही हैं। कभी नरमी, कभी सख्ती सब कुछ चल रहा है। जैसे हर कदम के साथ यह साबित किया जा रहा हो 'हम भी करा सकते हैं।' बड़े चौधरी अब भी वहीं हैं। वे देख रहे हैं, सुन रहे हैं और शायद जोड़-घटाव भी कर रहे हैं कि जो काम वे बरसों से बताते आए, वही अब कोई और करके दिखाने में लगा है।

शांति अभी भी दूर ही है। उसे जल्दी नहीं है। अंत में, मामला वहीं आकर टिकता है शांति जितनी जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है उसका श्रेय। इस पूरे खेल में सबसे ज्यादा मेहनत अब वही कर रहा है, जिसे कभी समझाया जाता था। बड़े चौधरी अब भी वहीं हैं। बस इस बार ... सुन रहे हैं।

संवेदनहीन तंत्र

डॉ. भूपेन्द्र कुमार सुल्लेरे

कंधों पर कंकाल, व्यवस्था पर सवाल

बैंक कर्मचारियों ने जो कहा, वह नियमों के अनुसार सही हो सकता है, लेकिनक्या हर स्थिति में नियम ही अंतिम सत्य होते हैं? क्या मानवीय संवेदनाओं का कोई स्थान नहीं होना चाहिए? जब एक गरीब, असहाय व्यक्ति आपके सामने अपनी समस्या लेकर खड़ा हो, तो क्या व्यवस्था का दायित्व केवल नियमों को दोहराना है, या समाधान ढूंढना भी उसका कर्तव्य है? इस घटना में दोष केवल एक संस्था या व्यक्ति का नहीं है। यह एक व्यापक तंत्र की विफलता है, जिसमें प्रशासनिक जटिलता, सामाजिक उदासीनता और नीतिगत कमियां—तीनों शामिल हैं। रास्ते में जिसने भी जीतू को कंकाल लेकर जाते देखा, वह स्तब्ध रह गया, लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा कि यह स्थिति क्यों उत्पन्न हुई और इसे कैसे रोका जा सकता था। यह घटना हमें उस गहरी खाई का एहसास कराती है, जो आज भी 'विकास' और ßवास्तविकताß के बीच मौजूद है। एक ओर हम डिजिटल इंडिया, बैंकिंग क्रांतिऔर प्रशासनिक सुधारों की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर एक वनवासी युवकअपने ही पैसे निकालने के लिए इस हद तक जाने को मजबूर हो जाता है।

उड़ीसा से सामने आई यह घटना केवल एक विचलित करने वाली खबर नहीं, बल्कि भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था और समाज की संवेदनशीलता पर गहरा प्रश्नचिन्ह है। जीतू मुंडा नाम का एक वनवासी युवक अपनी मृत बहन कालरा मुंडा का कंकाल कंधे पर लादकर बैंक पहुंचता है, ताकि वह उसके खाते में जमा 19,300 रुपये निकाल सके। यह दृश्य जितना असामान्य है, उससे कहीं अधिक भयावह वह सच्चाई है, जो इसके पीछे छिपी है।

दो महीने पहले कालरा मुंडा की मृत्यु हो चुकी थी। मरने से पहले उसने अपने भाई जीतू को बताया कि उसके बैंक खाते में कुछ पैसे हैं, जिन्हें वह निकाल ले। एक साधारण सी इच्छा—जो किसी भी परिवार के लिए सामान्य होती—वही इच्छा जीतू के लिए एक असंभव कार्य बन गई। जब वह बैंक पहुंचा, तो कर्मचारियों ने नियमों का हवाला देते हुए उससे कहा कि या तो खाताधारक को साथ लाओ, यामृत्यु प्रमाण पत्र और कानूनी वारिस होने का प्रमाण प्रस्तुत करो।

यहां से शुरू होती है उस व्यवस्था की कहानी, जो कागजों पर तो सुदृढ़दिखती है, लेकिन जमीन पर आम आदमी के लिए एक जाल बन जाती है। जीतू मुंडा, जो न तो शिक्षित है और न ही प्रशासनिक प्रक्रियाओं से परिचित, उसके लिए मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाना किसी पहाड़ चढ़ने से कम नहीं था। पंचायत, अस्पताल, तहसील—इन सबके चक्कर लगाना, समय और पैसे दोनों की मांग करता है, जो उसके पास नहीं थे।

इस असहाय स्थिति में उसने वही किया, जो उसकी सरल समझ में सबसे सीधा रास्ता था। उसने अपनी बहन की कब्र खोदी, उसके कंकाल को बोरी में भरा औरउसे कंधे पर लादकर लगभग पांच किलोमीटर पैदल चलते हुए बैंक पहुंच गया। उसके मन में शायद यही विचार रहा होगा कि जब बैंक वाले 'व्यक्ति' को बुला रहे हैं, तो वह उसे सामने ले आए, ताकि उसकी समस्या का समाधान हो सके।

यह घटना केवल जीतू मुंडा की नहीं है, बल्कि उस पूरे वनवासी समाज की है, जो आज भी अपनी सरलता और विश्वास के साथ जीवन जी रहा है। उनके लिए रिश्ते, शब्द और सत्य ही प्रमाण होते हैं, न कि कागजी दस्तावेज। लेकिन आधुनिक प्रशासनिक व्यवस्था में सब कुछ कागजों पर निर्भर हो गया है—और यही वह बिंदु है, जहां टकराव उत्पन्न होता है।

बैंक कर्मचारियों ने जो कहा, वह नियमों के अनुसार सही हो सकता है, लेकिनक्या हर स्थिति में नियम ही अंतिम सत्य होते हैं? क्या मानवीय संवेदनाओं का कोई स्थान नहीं होना चाहिए? जब एक गरीब, असहाय व्यक्ति आपके सामने अपनी समस्या लेकर खड़ा हो, तो क्या व्यवस्था का दायित्व केवल नियमों को दोहराना है, या समाधान ढूंढना भी उसका कर्तव्य है?

इस घटना में दोष केवल एक संस्था या व्यक्ति का नहीं है। यह एक व्यापक तंत्र की विफलता है, जिसमें प्रशासनिक जटिलता, सामाजिक उदासीनता और नीतिगत कमियां—तीनों शामिल हैं। रास्ते में जिसने भी जीतू को कंकाल लेकर जाते देखा, वह स्तब्ध रह गया, लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा कि यह स्थिति क्यों उत्पन्न हुई और इसे कैसे रोका जा सकता था।

यह घटना हमें उस गहरी खाई का एहसास कराती है, जो आज भी 'विकास' और 'वास्तविकता' के बीच मौजूद है। एक ओर हम डिजिटल इंडिया, बैंकिंग क्रांति और प्रशासनिक सुधारों की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर एक वनवासी युवकअपने ही पैसे निकालने के लिए इस हद तक जाने को मजबूर हो जाता है।

समाधान स्पष्ट है, लेकिन इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। वनवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाना होगा। मृत्यु प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया को स्थानीय स्तर पर सहज और त्वरित बनाना होगा। बैंकिंग सेवाओं को अधिक मानवीय और लचीला बनाना होगा, जहां कर्मचारियों को केवल नियमों का पालन ही नहीं, बल्कि परिस्थितियों कोसमझने का प्रशिक्षण भी दिया जाए।

इसके साथ ही, जनजागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है, ताकि वनवासी समाज अपने अधिकारों और प्रक्रियाओं को समझ सके और ऐसी परिस्थितियों से बच सके।

अंततः, जीतू मुंडा अपने कंधों पर केवल अपनी बहन का कंकाल नहीं, बल्किहमारी व्यवस्था की कठोरता और समाज की संवेदनहीनता का भार उठाकर चल रहाथा। यह घटना हमें झकझोरती है और यह प्रश्न पूछने पर मजबूर करती है कि—क्या हमारी व्यवस्था वास्तव में आम आदमी के लिए है?

यदि व्यवस्था मनुष्य के लिए है, तो उसमें मनुष्यता का होना भी उतना ही आवश्यक है। अन्यथा, विकास के सारे दावे केवल कागजों तक सीमित रह जाएंगे,और जमीन पर जीतू मुंडा जैसे लोग अपनी पीड़ा के साथ अकेले खड़े रहेंगे। यह घटना हमें केवल सोचने के लिए नहीं, बदलने के लिए बाध्य करती है।

सरोकार

प्रो. मनोज कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया शिक्षा से संबद्ध हैं।

प्रतिभा देखिए, जात, रोजगार नहीं

जब गर्वनर पब्लिक प्रोग्राम में आदिवासी बच्चों के प्रदर्शनकारी कलाओं केलिए सरकारी कार्यक्रमों में प्रदर्शन कर देखकर उखड़ जाते हैं तो यह भी उसी वर्ग में आता है जिसकी हम चर्चा कर रहे हैं. यहाँ भी आदिवासी बच्चों का उपयोग किया जाता है. यह समाज का सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश को गार्जियन के रूप में एक ऐसे महामहिम मिले हैं जो हर वक्त आदिवासी समाज की चिंता करते हैं. यदा-कदा आदिवासी विकास के बजट का उपयोग नहीं करने पर भी उनकाऐतराज जायज है. यह शायद पहली-पहली बार हो रहा है कि जब महामहिम स्वयं ऐसे मामलों का संज्ञान ले रहे हैं. आदिवासियों के साथ समाज में तेजी से पैर पसार रहे सिकलसेल रोग को लेकर भी महामहिम चिंतित हैं. वे इसके खिलाफ लंबे समय से जागरूकता अभियान चलाकर जुटे हुए हैं. उनके इन प्रयासों का परिणामहै कि केन्द्र सरकार ने 2047 की मियाद तय की है जब समूचा समाज सिकलसेल जैसे अनुवांशिक रोग से मुक्त हो जाएगा. यह चर्चा तो महामहिम की सामाजिक सरोकार की चिंता पर है और इसी के बरक्स प्रतिभाओं के आकलन पर चिंता करना जरूरी हो जाता है. इस पूरे परिदृश्य में एक सुखद पक्ष यह भी उभर कर आता है कि जिन मेधावी विद्यार्थियों ने कामयाबी के शिखर छुए हैं, वे लगभग सभी सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे हैं. यह तथ्य भी मिथ्या साबित हो जाता है कि सरकारी स्कूल में शिक्षा अच्छी नहीं है और बच्चों को वैसा मंच नहीं मिल पाता है, जैसा की सुविधा संपन्न निजी स्कूलों में. सरकार अपने तईं इन स्कूलों में वैसी ही शिक्षा देने का प्रयास कर रही है, जैसा कि मिथ निजी स्कूलों के बारे में बना हुआ है. सीएम राईज स्कूल बनाम सांदीपनी पाठशाला इसी मंतव्य को पूरा करते दिख रहे हैं. आंकड़ें बताते हैं कि निजी स्कूलों की भारी-भरकम फीस के चलते अब पालकों का मोह भंग हो रहा है और वे सरकारी स्कूल की तरफ लौट रहे हैं.

मध्यप्रदेश के गर्वनर आदिवासी बच्चों के सरकारी कार्यक्रमों में प्रदर्शन के लिए उपयोग किए जाने पर ऐतराज जाहिर कर रहे थे, उसी समय दूसरी तरफ समाज प्रतिभावान बच्चों की प्रतिभा को धर्म, जात और रोजगार से तौल रही थी. दोनों मामले अलग-अलग होते हुए भी एक मंच पर एकाकार होते दिख रहे थे. गर्वनर का ऐतराज वाजिब है तो इस कृत्य को जायज नहीं ठहराया जा सकता है क्योंकि किसी बच्चे की प्रतिभा इस बात से नहीं आंकी जा सकती है कि वह किस जाति, धर्म का है या उसके पिता का रोजगार क्या है. हमारे समाज में गरीब की कोई मदद नहीं करेगा लेकिन गरीबी को बाजार में बेचने जरूर चला जाएगा.यह मसला स्कूली बच्चों के टॉपर होने का हो, भारतीय प्रशासनिक सेवा मेंचयन को हो या फिर ऑस्कर की दौड़ में शामिल वो फिल्में जिनमें भारत की गरीबी और भूखे-नंगे समाज का विद्रूपता के साथ किया गया चित्रण हो. यह मसला बाजार में गरीबी बेचने को लेकर तो है ही, बल्कि अवचेतन में हमारे मस्तिष्क में बैठा वह सोच है जो यह सब करने के लिए प्रेरित करता है. कोई अल्प शिक्षित अथवा गरीब परिवार सब कुछ दांव पर लगाकर अपने बच्चों को इसलिए ही पढ़ाता है कि वह इस जलालत भरी जिंदगी से बाहर निकल सके. बच्चा भी हाड़तोड़ मेहनत कर खुद की प्रतिभा और मेहनत कर स्वयं को साबित करताहै. प्रतिभावान बच्चे के मन में अपने माता-पिता को सुखपूर्वक जिंदगी देने का सपना भी कहीं भीतर पल रहा होता है. ये वो प्रतिभावान बच्चे होते हैं जिनका कोई गॉडफादर नहीं होता है और ना ही इन्हें भौतिक सुविधायें मयस्सर होती हैं. अभावों और जुगाड़ के बीच किसी सरकारी स्कूल में पढ़क़र ये अपनेसपने सच करने निकल पड़ते हैं. ऐसे में इन प्रतिभाओं का आकलन इस तरह करने से ना केवल उनकी प्रतिभा को शर्मसार किया जाता है बल्कि उन पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी पड़ता है. अब यहाँ प्रश्न उठता है कि प्रतिभावान बच्चों की गरीबी, जात-धर्म और रोजगार की गिनती कर उन्हें श्रेष्ठ बताने वाला समाज कभी उन रईसजादों और सुविधा सम्पन्न बच्चों के बारे में बात करता है. क्या किसी समय किसी प्रभावशाली परिवार से उपलब्धि का शिखर छूने वाले बच्चे की जात-धर्म कोपूछा गया या कि इसके पहले उनका परिवार कभी गरीबी में रहा तो उसका उल्लेख किया है. यही नहीं, लैंपपोस्ट के नीचे बैठकर सफलता का शिखर छूने वाला बच्चा समाज के लिए हीरो है तो एयरकंडीशन में सर्वसुविधायुक्त प्रायवेट स्कूल-कॉलेज में पढक़र निराश करने वाले बच्चों की स्टोरी की गई. शायद नहीं क्योंकि ऐसी स्टोरी बाजार का 'माल' नहीं है. गरीबी, जात-धर्म और रोजगार से टीआरपी हासिल होता है.

जब गर्वनर पब्लिक प्रोग्राम में आदिवासी बच्चों के प्रदर्शनकारी कलाओं के लिए सरकारी कार्यक्रमों में प्रदर्शन कर देखकर उखड़ जाते हैं तो यह भी उसी वर्ग में आता है जिसकी हम चर्चा कर रहे हैं. यहाँ भी आदिवासी बच्चों का उपयोग किया जाता है. यह समाज का सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश को गार्जियन के रूप में एक ऐसे महामहिम मिले हैं जो हर वक्त आदिवासी समाज की चिंता करते हैं. यदा-कदा आदिवासी विकास के बजट का उपयोग नहीं करने पर भी उनका ऐतराज जायज है. यह शायद पहली-पहली बार हो रहा है कि जब महामहिम स्वयं ऐसे मामलों का संज्ञान ले रहे हैं. आदिवासियों के साथ समाज में तेजी से पैर पसार रहे सिकलसेल रोग को लेकर भी महामहिम चिंतित हैं. वे इसके खिलाफ लंबे समय से जागरूकता अभियान चलाकर जुटे हुए हैं. उनके इन प्रयासों का परिणामहै कि केन्द्र सरकार ने 2047 की मियाद तय की है जब समूचा समाज सिकलसेल जैसे अनुवांशिक रोग से मुक्त हो जाएगा. यह चर्चा तो महामहिम की सामाजिक सरोकार की चिंता पर है और इसी के बरक्स प्रतिभाओं के आकलन पर चिंता करना जरूरी हो जाता है. इस पूरे परिदृश्य में एक सुखद पक्ष यह भी उभर कर आता है कि जिन मेधावी विद्यार्थियों ने कामयाबी के शिखर छुए हैं, वे लगभग सभी सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे हैं. यह तथ्य भी मिथ्या साबित हो जाता है कि सरकारी स्कूल में शिक्षा अच्छी नहीं है और बच्चों को वैसा मंच नहीं मिल पाता है, जैसा की सुविधासंपन्न निजी स्कूलों में. सरकार अपने तईं इन स्कूलों में वैसी ही शिक्षा देने का प्रयास कर रही है, जैसा कि मिथ निजी स्कूलों के बारे में बना हुआ है. सीएम राईज स्कूल बनाम सांदीपनी पाठशाला इसी मंतव्य कोपूरा करते दिख रहे हैं. आंकड़ें बताते हैं कि निजी स्कूलों की भारी-भरकम फीस के चलते अब पालकों का मोह भंग हो रहा है और वे सरकारी स्कूल की तरफलौट रहे हैं. मेधावी विद्यार्थियों की कामयाबी की खबर भी उनका भरोसा बढ़ाती है. सबकुछ होते हुए भी सरकारी स्कूल हों या अस्पताल, इनमें सुविधाओं की कमी नहीं है, कमी है तो विश्वास की. सरकारी व्यवस्था पर विश्वास लौटाने के लिए सरकार को विभिन्न स्तरों पर जतन करना पड़ेगा और इसका सबसे सुविधाजनक रास्ता है समाज को साथ लेकर चलना. सरकारी कूलों पर भरोसा तो लौट रहा है लेकिन गरीबी, रोजगार और धर्म-जाति से प्रतिभा को ना तौला जाएगा, इस बात के प्रति भी सर्तक रहना होगा.

अनदेखी

डॉ. हरीशकुमार सिंह

क्रूज जैसी दुर्घटना संबंधित विभागों की अक्षमता

दुर्भाग्यपूर्ण पूर्ण यह है कि ऐसी घटनाओं के बाद ही प्रशासन चेतता है और नियम लागू करने, कड़ी कार्यवाही करने, भविष्य में पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने के उपकरण लगाने की बातें कहकर फिर से ये सरकारी विभाग चैन की नींद सो जाते हैं। प्रदेश में ही जब किसी बस में आग लग जाती है तो परिवहन विभाग को पता चलता है कि बस बिना परमिट के दौड़ रही थी और उसकी फिटनेस भी अवैध थी। दुर्घटना होने या आग लगने के बाद परिवहन विभाग जागता है और खानापूरी कर फिर सो जाता है। यात्री बसों में पिछले दरवाजे की अनिवार्यता के नाम पर, आज भी कई बसों में पिछला दरवाजा नहीं है या दिखावटी लगाकर नियम पालन किया जाता है। बसों के सामने के काँच पर परमिट का उल्लेख किये जाने का नियम परिवहन विभाग ने ही बनाया था मगर पालन अब बन्द कर दिया गया है। दुर्घटनाओं के बाद कुछ दिन जागकर फिर वही ढर्रा क्यों चलने लगता है। वीडियो कोच के ढांचे में मनमाने परिवर्तन से आग लगने की घटनाओं में वृद्धि के बाद उन बसों पर रोक के बाद आज क्या स्थिति है परिवहन विभाग क्या स्पष्ट करेगा।

जबलपुर के बरगी बाँध में क्रूज के डूब जाने से नौ जानें चली गईं हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तुरंत कार्यवाही करते हुए प्रदेश में मोटर बोट, क्रूज या वाटर स्पोर्ट्स में इनके संचालन पर रोक लगा दी है और सेफेटी ऑडिट के बाद ही इन्हें फिर से आरंभ किया जाएगा। दुर्भाग्यपूर्ण पूर्ण यह है कि ऐसी घटनाओं के बाद ही प्रशासन चेतता है और नियम लागू करने, कड़ी कार्यवाही करने, भविष्य में पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने के उपकरण लगाने की बातें कहकर फिर से ये सरकारी विभाग चैन की नींद सो जाते हैं। प्रदेश में ही जब किसी बस में आग लग जाती है तो परिवहन विभाग को पता चलता है कि बस बिना परमिट के दौड़ रही थी और उसकी फिटनेस भी अवैध थी। दुर्घटना होने या आग लगने के बाद परिवहन विभाग जागता है और खानापूरी कर फिर सो जाता है। यात्री बसों में पिछले दरवाजे की अनिवार्यता के नाम पर, आज भी कई बसों में पिछला दरवाजा नहीं है या दिखावटी लगाकर नियम पालन किया जाता है। बसों के सामने के काँच पर परमिट का उल्लेख किये जाने का नियम परिवहन विभाग ने ही बनाया था मगर पालन अब बन्द कर दिया गया है। दुर्घटनाओं के बाद कुछ दिन जागकर फिर वही ढर्रा क्यों चलने लगता है। वीडियो कोच के ढांचे में मनमाने परिवर्तन से आग लगने की घटनाओं में वृद्धि के बाद उन बसों पर रोक के बाद आज क्या स्थिति है परिवहन विभाग क्या स्पष्ट करेगा।

प्रदेश में अवैध खनन रोकने पर सरकारी कर्मचारियों को रौंदने की घटनाएं कम क्यों नहीं हो पा रही हैं। क्या विभाग के पास पर्याप्त संसाधन नहीं है या ऊपरी सरंक्षण के कारण अवैध खनन करने वालों के हौसले बुलंद है। प्रदेश के भवनों में आगजनी होने पर पता चलता है कि फायर एनओसी ही नहीं ली गई थी। अस्पतालों ,होटलों में आग लगने पर भी सम्बंधित विभागों द्वारा की गई लापरवाही का पता क्यों चलता है कि अब सभी होटल,अस्पतालों की जांच की जाएगी कि आग बुझाने के पूरे उपकरण हैं या नहीं। जबकि यह सब होटल,अस्पताल के खुलने के पहले ही विभाग को देखना चाहिए। मकान या अन्य भवन निर्माण के लिए नक्शे की

अनुमति के साथ यह शर्त रहती है कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी लगाना होगा मगर 90 प्रतिशत भवन मालिक न यह कार्य पूरा करते न ही नक्शे के अनुसार निर्माण करते हैं।

यही नहीं बड़े पुल,सड़क निर्माण के लिए सम्बंधित निर्माण ऐजेंसी का यह दायित्व है कि वह अपने मजदूरों, कर्मचारियों को पूरे सुरक्षा उपकरण मुहैया कराए मगर न संबंधित विभाग और न ही निर्माण एजेंसी इनका पूर्ण पालन करती हैं। शहरों में पीने के पानी को शुद्ध करके आज हम नागरिकों को उपलब्ध नहीं करवा पा रहे हैं जबकि निकायों का फिटकरी,क्लोरीन का खर्च बढ़ रहा है। इंदौर नगर निगम बिना कार्य करवाये करोड़ों के ठेके का भुगतान कर रहा था यह भी पकड़ में आया है।

क्रूज में बैठने के साथ ही लाइफ जैकेट क्यों नहीं दी जानी चाहिए। मौसम विभाग के अलर्ट के बाद भी क्रूज क्यों ले जाना जरूरी था। क्रूज या अन्य मोटर बोट के लिए नियम तो बने हैं पर अनुपालन क्यों नहीं हो रहा था। क्या भविष्य में सभी नियम लागू होंगे या बीच का रास्ता निकाल लिया जाकर इसी तरह निर्दोष नागरिकों की जान जाती रहेगी कभी दूषित पानी से,कभी नकली सिरप से,कभी अनफिट बस में आग लगने से, तो कभी क्रूज के डूबने से । वर्तामान मुख्यमंत्री के स्पष्ट आदेश के बाद भी कि खुले बोरवेल बंद करने की जिम्मेदारी संबंधित जिलाधीश की होगी, आज भी बच्चे डूब रहे हैं। राज्य सरकार ने संबंधित विभागों के लिए नियम तो पूरे सही बना रखे हैं मगर अनुपालन नहीं होने से ऐसी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। अब ये अनुपालन की जिन पर जिम्मेदारी होती है या तो वे पूर्व में पूर्ण जिम्मेदारी से कार्य नहीं करते या कोई लालच उन्हें इस जिम्मेदारी को निभाने से रोकता है जिससे ऐसी दुर्घटनाएं बार बार होती हैं और बेवजह कई परिवार उजड़ जाते हैं।

आपसी तालमेल की नसीहत देते प्रदेश सह प्रभारी ने कहा कार्यकर्ता आपसी मतभेद की बात बाहर सोशल मीडिया पर न करें

सोहागपुर। सोहागपुर विधानसभा के माखन नगर एवं सोहागपुर ब्लाक की बैठक वाटिका ग्रार्डन के सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस सह प्रभारी उषा नायडू, जिला प्रभारी संजय शर्मा विधानसभा चुनाव प्रभारी कविन्द् रघुवंशी, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवकांत गुड्डन पांडे, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव केलू उपाध्याय, प्रदेश यूथ कांग्रेस अध्यक्ष सुरेखा शाह, सोहागपुर विधानसभा चुनाव प्रत्याशी पुष्पराजसिंह पटेल,नगर पंचायत परिषद माखन नगर उपाध्यक्ष रशिमी डेरिया आदि मंचासीन थे। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस सह प्रभारी श्रीमती उषा नायडू ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आपसी तालमेल की नसीहत देते हुए कहा कि हम आपस अंदर कितने ही लड़े कितने ही आपसी मतभेद हो लेकिन यह बात बाहर न जाए। आजकल थोड़ी बात हुई कि हम सोशल मीडिया पर सब कुछ कह देते हैं। इससे जनता-जनार्दन में अच्छा संदेश नहीं जाता कि जब ये आपस में जब कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ताओं का आपसी तालमेल ही नहीं है।तब ये हमारा क्या भला करेंगे। कांग्रेस पदाधिकारियों को भी कार्यकताओं को बाबा सुननी चाहिए। उनके फोन उठाने चाहिए। अगर कोई नहीं सुनता है तो हमें बताएं। मैसेज भेजें। मैसेज तो दिल्ली तक में देखें जाते हैं। आपने जल्दी समितियों को बनाने की बात करते हुए कहा कि महिलाओं को सक्रिय करें। पदाधिकारियों की जिम्मेदारी है कि महिलाओं को अधिक से अधिक सक्रिय नहीं किया तो हम सरकार नहीं बना पाएंगे। आपने अंत में कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी एवं कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी दिल्ली में फेंटकर प्रत्येक प्रदेश की मॉनिटरिंग करते है। आपने कहा कि पंचायत,नगर पंचायत, जनपद, जिला जनपद में पार्टी को विजयी बनाएं।हम इसका प्रभाव जनता पर पड़ता है। अब मंडल अध्यक्ष भोपाल से सीधे संवाद के लिए जुड़ चुके हैं।

सोहागपुर विधानसभा चुनाव प्रत्याशी पुष्पराजसिंह ने कहा कि 2023 का चुनाव प्रशासन से था। बुलडोजर से चुनाव था। फिर भी हमें एक लाख 6 हजार 4 सौ मत मिले। तात्कालिक परिस्थितियों के हम चुनाव हारे। इसकी जुम्मेदारी में स्वयं लेता हूं।किसी पर दोषारोपण नहीं करूंगा। लेकिन आज किसान उसका परिणाम भुगत रहा है। लेकिन हम इसके पहले हुए चुनाव में 59 हजार मतों से पराजित हुए थे। जिला प्रभारी संजय शर्मा, ने कहा कि हम 2027 चुनाव जीते।इस कारण हमें एक एक वोट जोड़ना है। प्रदेश में किसानों परेशान हैं। खरीदी नहीं हो रही है।हम ग़लती भूलनी होगी आपस में । यदि सोहागपुर मजबूत होगा तो भोपाल मजबूत होगा। वर्तमान में प्रदेश सरकार में सभी वर्ग परेशान हैं । नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रशांत जायसवाल ने कहा कि पहली बार चुनाव के पूर्व कांग्रेस आई है।यह सुखद संदेश है। ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष सुधीर ठाकुर ने कुशल संचालक करते सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक प्रमुख नेता, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का परिचय कराया। जिला जनपद पंचायत सदस्य हाकमसिंह पटेल ने कहा कि 24 हजार मतों से माखन नगर ने ही भाजपा की विजयी बनाया है। सभी पदाधिकारियों को सहयोग करना चाहिए। इसके पूर्व हेमंत यादव मोनू पटेल , नरेंद्र मालवीय, दौलतराम पटेल,राधिका डेरिया , सुरेखा शाह आदि ने संबोधित किया। आभार व्यक्त किया पूर्व नपाध्यक्ष अध्यक्ष अभिलाष सिंह चंदेल ने।

इस अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, पूर्व जनपद सदस्य राजकुमार रघुवंशी, यशवंत सिंह राजपूत,अमृत बंधु डेरिया, वकील बीके शर्मा,देवान्शु शर्मा, पार्षद धर्मदास बैलवशी, भास्कर मांझी,मोहन कहार, किसान कांग्रेस अध्यक्ष गणेश अहिरवार,, रत्नेश बडगूजर, शैलेन्द्र जोशी, सुबोध दुबे, सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। इसके पूर्व 6 युवकों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

अपराधियों की धरपकड़ 9 वारंटी गिरफ्तार

सोहागपुर। एसडीओ पुलिस संजू चौहान एवं नगर निरीक्षक राहुल रायकवार के निर्देशन में गत रात्रि कांबिंग गस्त की गई। जिसमें फरार वारंटी,अपराधियों की धरपकड़ गुंडे, बदमाशों की चेकिंग की गई। जिसमें 05 स्थाई वारंट 04 गिरफ्तारी वारंट कुल 09 वारंटों की तमीली की गई है। सभी वारंटों के वारंटियों के ऊपर चैक बाउंस,मारपीट,अड़ीबाजी, भरण पोषण, गौवंश के प्रकरण दर्ज होकर माननीय न्यायालय मैं चल रहे थे। वहीं कई वर्षों से माननीय न्यायालयों से फरार थे। वारंटीयों के प्रकरण माननीय न्यायालय छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम एवं सोहागपुर में विचारणीय है।वारंटीयों में मनोज तिवारी निवासी नगतरा, नीलेश जैन सोहागपुर, अनिल रघुवंशी शास्त्री वार्ड सोहागपुर, बहादुर पटेल गुजरखेड़ी, हरिसिंह उर्फ छोटू निवासी भौखेड़ी कला, राम भगस कहार निवासी जमुनिया सेमरी हरचंद, गनपत पुरबिया निवासी भट्टी, रामहुजूर पटेल निवासी सैंदर वाडा थाना माखननगर, पंचम गुर्जर निवासी छनैरा थाना साइईखेड़ा के वारंट तामील कर न्यायालय प्रस्तुत किए गए हैं, । वहीं शांति भंग करने पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई में नेमीचंद साहू निवासी अंबेडकर वार्ड एवं मनीष कुशवाहा निवासी करनपुर के प्रकरण एसडीएम कोर्ट पेश किये गये है। इस वारंटियों को पकड़ने में उपनिरीक्षक एस एस अली, राहुल पटेल,सहायक उप निरीक्षक रमाकांत यादव, हरपाल सिंह, प्रधान अर्जुन, आरक्षक विवेक, संजय, सुनील, एवं अंकुश की।

माचना नदी से जलकुंभी हटाने को फिर जुटे श्रमदानियों के हाथ

बैतूल। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत जिले की जीवनदायिनी मां माचना नदी को जल खरपतवार जलकुंभी से मुक्त करने के उद्देश्य से नियमित श्रमदान के तहत रविवार को पुनः विशेष श्रमदान अभियान आयोजित किया गया। यह अभियान पद्मश्री मोहन नागर उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद व राज्य मंत्री दर्जा के नेतृत्व में सदर क्षेत्र स्थित घाट पर प्रातः 7 बजे से 9 बजे तक संचालित हुआ। लगातार दूसरे रविवार को चले इस अभियान में लगभग 55 श्रमदानियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नदी से जलकुंभी निकालने का कार्य किया। इस अवसर पर पद्मश्री मोहन नागर द्वारा जल संवाद करते हुए सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि मां माचना बैतूल की जीवनदायिनी व तवा में मिलकर यह मां नर्मदा की सहायक नदी है, इसकी रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है। मानव संकल्प और मानव श्रम से कोई भी कार्य सम्भव हो जाता है। उन्होंने आगामी रविवार को भी अधिकाधिक संख्या में श्रमदान के लिए उपस्थित होने का आह्वान किया। जिला समन्वयक प्रिया चौधरी ने बताया कि यह अभियान प्रति रविवार को प्रातः 7 बजे से 8.30बजे तक चलेगा। साथ ही मानव श्रमदान के साथ ही नगरपालिका प्रशासन द्वारा मशीनों से भी जलकुम्भी निकाली जाएग। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे मां माचना को स्वच्छ एवं संरक्षित बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं। अभियान में ग्रीन टाइगर संस्था के पर्यावरण प्रेमी तरुण वैद्य अपनी टीम सहित उपस्थित रहे। साथ ही पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष एवं माचना जन्मोत्सव समिति के संयोजक आनंद प्रजापति, स्थानीय पार्षद, ग्यारह दोहे रामायण की टीम, जन अभियान परिषद बैतूल से संबंधित नवांकुर संस्थाएं अंश सेवा समिति, भूपेंद्र महिला एवं बाल कल्याण समिति, प्रदीपन संस्थाके सदस्य, सीएमसीएलडीपी के छात्र, परामर्शदाता आशीष कोकने, राजू आठनेरे, प्रमोद जागरे तथा समाजसेवी दिनेश सोनी सहित वार्डवासियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

बर्राढाना गांव में आग से दो दर्जन मकान जलकर खाक

आंधी-तूफान के कारण तेजी से फैली आग, जनहानि नहीं

बैतूल। भीमपुर तहसील के मोहदा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले बर्राढाना गांव में भीषण आगजनी की घटना में दो दर्जन से अधिक मकान जलकर खाक हो गये। एक मकान से शुरू हुई आग ने देखते ही देखते कई मकानों को अपनी चपेट में ले लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तेज आंधी और हवाओं के बीच खाना बनाते समय उठी चिंगारी से आग लगने की बात सामने आ रही है। हालांकि आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। आग लगते ही लोग अपनी जान बचाने के लिए घर छोड़कर बाहर निकल आए। ग्रामीणों के मुताबिक आग इतनी तेजी से फैली कि 15 से अधिक मकान जलकर खाक हो गए। गांव का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा इसकी चपेट में आ गया, जिससे भारी नुकसान हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार आग की भयावहता के चलते हालात और बिगड़ गए। ग्रामीण मदारी वाड़ीवा, सुंदरलाल, अम्मू और संतोष आदि ने बताया कि एक घर में लगी आग, तेज आंधी के कारण पूरे क्षेत्र में फैल गई। आग इतनी तेजी से फैली कि उन्हें घरों से सामान निकालने तक का मौका नहीं मिला। कई परिवारों की पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड को लगातार सूचना दी, लेकिन देर तक कोई सहायता नहीं पहुंची। इससे नाराज ग्रामीणों में आक्रोश रहा। उनका कहना है कि यदि समय पर दमकल पहुंच जाती, तो नुकसान कम होता। राहत की बात यह है कि किसी जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन कई परिवार बेघर हो गए हैं।

मवेशी और दोपहिया वाहन भी जले- इस हादसे में कई मवेशियों और दोपहिया वाहनों के जलने की भी खबर है। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज हवाओं के कारण आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटना के काफी देर बाद तक प्रशासन और फायर ब्रिगेड मौके पर नहीं पहुंच सके। भैंसदेही, चिचोली और बैतूल से दमकल को सूचना दी गई, लेकिन दूरी अधिक होने के कारण राहत कार्य में देरी हुई। फिलहाल आग से हुए नुकसान का सटीक आंकड़ा सामने नहीं आ सका है। प्रशासन के मौके पर पहुंचने और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

संकट की घड़ी में मध्यप्रदेश सरकार पीड़ित परिवारों के साथ : हेमंत खंडेलवाल

24 पीड़ित परिवारों को दी तत्काल 10-10 हजार की नगद राहत राशि

बैतूल। भीमपुर ब्लॉक के ग्राम बर्राढाना में हुई भीषण आगजनी के बाद पीड़ित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए शासन प्रशासन संवेदनशीलता के साथ सक्रिय है। रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया और उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने आगजनी से प्रभावित सभी परिवारों को व्यक्तिगत रूप से तात्कालिक आर्थिक 10 -10 हजार रुपए की नगद सहायता राशि प्रदान की, जिससे पीड़ितों को तुरंत राहत मिल सके। विधायक श्री खंडेलवाल ने इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी चर्चा की है, जिसमें संवेदनशील मुख्यमंत्री जी द्वारा आगजनी पीड़ित परिवारों को अतिरिक्त आर्थिक सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया गया है। विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि बैतूल और भैंसदेही दोनों विधायकों की स्वेच्छानुदान निधि से प्रत्येक प्रभावित परिवार को 20-20 हजार रुपए की अतिरिक्त सहायता दी जाएगी। साथ ही आरबीसी 6-4 के प्रावधान के तहत भी पीड़ितों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नुकसान का विस्तृत आकलन कर शीघ्र आर्थिक सहायता वितरित की जाए तथा पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर उपाध्यक्ष जन अभियान परिषद मोहन नागर, विधायक भैंसदेही महेंद्र सिंह चौहान, जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य सुधाकर पवार, कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे सहित जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

आगजनी से हुआ भारी नुकसान- शनिवार शाम ग्राम पंचायत बाशिंदा के बर्राढाना में अचानक लगी आग तेज हवाओं के कारण विकराल हो गई, जिससे मकान, घरेलू सामान और अनाज जलकर नष्ट हो गया। इस घटना में करीब 24 परिवार प्रभावित हुए हैं, जिनमें लगभग 18 परिवारों को भारी और 6 को आंशिक नुकसान हुआ है। शासन प्रशासन ने पीड़ित परिवारों के लिए राशन इत्यादि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रभावित परिवारों का स्वास्थ्य परिक्षण भी कराया गया है।

पत्रकारिता में विश्वसनीयता जरूरी

देवऋषि नारद जंयती पर पत्रकारों की परिचर्चा का आयोजन

देवास। देवऋषि नारद जी की जयंती के अवसर पर विश्व संवाद केंद्र मालाव एवं प्रेस क्लब देवास के संयुक्त तत्वाधान में देवास जिले के पत्रकारों के लिए परिचर्चा का आयोजन वरिष्ठ नागरिक संस्था में किया गया। परिचर्चा का विषय 'स्वदेशी दृष्टि, वैश्विक स्वर : भारतीय मीडिया का नया युग' रहा। इस परचर्चा में बड़ी संख्या में देवास जिले के पत्रकार उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार एवं विचारक श्री कैलाश जी सनोलिया रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस क्लब देवास के अध्यक्ष श्री ललित जी शर्मा ने की।

परिचर्चा का शुभारंभ कार्यक्रम के शुभारंभ भारत माता एवं देवऋषि नारद के चित्रों पर मालार्पण एवं द्वीप प्रज्वल्लन कर हुआ। प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री ललित जी शर्मा ने अध्यक्षीय उद्बोधन में पत्रकारों को कहा की हम पत्रकारों के मन मे देवऋषि नारद जी विराजित है, वे हम सब के प्रेरणा के स्त्रोत है, उनका संपर्क तीनो लोकों में सभी से रहा है।

मुख्य वक्ता श्री कैलाश जी सनोलिया ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार नारद जी तीनो लोको के कल्याण हेतु सूचनाओं का आदान प्रदान करते थे, उसी प्रकार हम पत्रकारों को भी सूचना का आदान प्रदान जनकल्याण के लिए करना चाहिए। जिस प्रकार नारद जी पत्रकारिता के सिद्धांत सत्य एवं विश्वनीयता पर आधारित थे, उसी प्रकार हमें भी पत्रकारिता के माध्यम से समाज मे विश्वसनीयता एवं सत्य को प्रबल करना है। भारतीय पत्रकारिता के दो युग है एक स्वतंत्रता के पहले वाला युग एवं दूसरा स्वतंत्रता के बाद का। स्वतंत्रता के पहले वाले युग का मूल उद्देश्य स्वतंत्रता प्राप्ति था। माखनलाल चतुर्वेदी, महात्मा गांधी, बालगंगाधर तिलक आदि स्वतंत्रता संग्राम सैनानी पत्रकार भी थे, वे समाचार पत्र संचालित करते थे। वर्तमान युग में समाज के लोग एवं आम नागरिक पत्रकारों को विश्वसनीयता के प्रतीक के रूप में जानते है, जब आम जनता की कोई समस्या शासन प्रशासन एवं नेताओं के माध्यम से हल नहीं होता है, तो वह पत्रकारों से संपर्क करता है जो उनकी बातों को समझते हैं एवं अपने लेख के माध्यम से विषय को रखते हैं।

वर्तमान में पत्रकारिता में स्वदेशी दृष्टि की अत्याधिक आवश्यकता है। स्वदेशी का अर्थ मात्रा भारतीय उत्पादों को प्रयोग में लेना ही नहीं है इसका बड़ा ही व्यापक अर्थ है इसका एक अर्थ या भी कि हम हमारे पूर्वजों के बताए गए सत्य एवं विश्वनीयता के पद चिन्हों पर चलें । अपने युवा पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान युग में सोशल मीडिया एवं ए आई के कारण अनेकों भ्रामक एवं मिथ्या समाचारों का भी प्रवाह बना रहता है, इससे बचते हुए युवा पत्रकारों को अपनी बौद्धिक क्षमताओं का प्रयोग करते हुए इन भ्रामक विषयों का जाल को तोड़ने का प्रयास करना चाहिए

मंचासीन अतिथियों का परिचय श्री सौरभ जी सचान द्वारा दिया गया। कार्यक्रम की भूमिका एवं मंच संचालन प्रेस क्लब सचिव श्री शेखर कौशल जी ने रखी, अतिथियो का स्वागत श्री अनिल सिंह जी सिकरवार एवं मोहन जी वर्मा जी द्वारा किया गया एवं आभार श्री सय्यद सादिक अली दीप द्वारा प्रस्तुत किया गया।।

8 मई को थैलेसीमिया दिवस पर निकलेगी जागरूकता रैली

मां शारदा सहायता समिति की बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय

बैतूल। आगामी 8 मई को विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर शहर में जागरूकता रैली निकाली जाएगी। इस संबंध में मां शारदा सहायता समिति द्वारा नेहरू पार्क में शाम 5 बजे बैठक आयोजित की गई, जिसमें समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे और कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। समिति के मीडिया प्रभारी संदीप सोलंकी ने जानकारी बताया कि 8 मई को प्रातः 7 बजे कारगिल चौक से जिला अस्पताल तक रैली निकाली जाएगी। रैली में समिति के सदस्यों के साथ-साथ नागरिकों की भी भागीदारी रहेगी, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक थैलेसीमिया के प्रति जागरूकता पहुंचाई जा सके। बैठक को संबोधित करते शैलेन्द्र बिहारिया ने कहा कि थैलेसीमिया एक गंभीर आनुवंशिक रक्त विकार है, जो सीधे तौर पर हीमोग्लोबिन के निर्माण को प्रभावित करता है। भारत में हर साल बडी संख्या में बच्चे थैलेसीमिया के साथ जन्म लेते हैं, इसलिए इस बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना बेहद आवश्यक है। समय पर जांच और सही जानकारी से इस बीमारी की रोकथाम संभव है। बैठक में थैलेसीमिया से पीडित बच्चों का सम्मान करने, रक्तदान को बढावा देने तथा जागरूकता कार्यक्रमों को व्यापक रूप देने जैसे कई महत्वपूर्ण सुझाव भी रखे गए। कार्यक्रम में संजय शुक्ला, शैलेन्द्र बिहारिया, हिमांशु सोनी, भरत सूर्यवंशी, पीयूष ओमकार, राजू मालवी, प्रकाश वंजारे, डॉ. सागर बिंझाडे, निमिष मालवी, संदीप सोलंकी, संजय सिंह देवडे, श्रीमती हेमा सिंह चौहान, डॉ. सुजाता राजपूत, श्रीमती साधना सिंह चौहान, प्रमिला धात्रे सहित बडी संख्या में सदस्य मौजूद रहे।

फ़िल्म अभिनेता सोनू सूद की टीम ने किया देवास में फंड रेजिंग कार्यक्रम आयोजित, 2 लाख 31 हजार रुपये की सहायता राशि भेंट

देवास। शहर के चामुंडा कॉम्प्लेक्स स्थित सहयाजी द्वार के सामने आज सोनू सूद चैरिटी क्लब एवं संस्था हेल्पिंग हैंड्स सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा एक विशेष फंड रेजिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम उज्जैन की पांच माह की मासूम बच्ची काशी दुबेपुरिया के उपचार हेतु रखा गया था। जानकारी के अनुसार काशी एक गंभीर बीमारी से पीड़ित है, जिसके इलाज के लिए लगभग 15 करोड़ रुपये का इंजेक्शन आवश्यक है। बच्ची के जीवन को बचाने के उद्देश्य से संस्था द्वारा सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक जनसहयोग अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान स्थल पर भावुक दृश्य देखने को मिले, जहां कई लोगों ने बच्ची की स्थिति जानकर तुरंत आर्थिक सहयोग प्रदान किया। आमजन ने मानवता का परिचय देते हुए अपनी क्षमता अनुसार राशि दान की और बच्ची के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। कार्यक्रम में शहरवासियों, व्यापारियों एवं समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और सहयोग राशि प्रदान की। संस्था अध्यक्ष शुभम विजयवर्गीय ने बताया की संस्था द्वारा एकत्रित 2 लाख 31 हजार रुपये की सहायता राशि बच्ची के माता-पिता को चेक के माध्यम से प्रदान की गई। यह चेक देवास के महाराज विक्रम सिंह पवार के करकमलों से बच्ची की माता को सौंपा गया। चेक वितरण के समय उपस्थित लोगों ने तालियों के साथ इस सेवा कार्य का स्वागत किया। संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि समाज यदि इसी प्रकार एकजुट होकर आगे आए तो किसी भी जरूरतमंद परिवार को कठिन समय में अकेला नहीं रहना पड़ेगा। कार्यक्रम के दौरान शुभम विजयवर्गीय ने प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता सोनू सूद को वीडियो कॉल के माध्यम से जोड़ा और बच्ची के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। साथ ही उन्होंने दो दिन पूर्व भी बच्ची की मदद हेतु एक वीडियो संदेश जारी कर सहयोग की अपील की थी। वीडियो कॉल के माध्यम से जुड़े सोनू सूद ने भी सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज में ऐसे प्रयास लगातार होते रहना चाहिए, जिससे जरूरतमंद लोगों तक समय पर सहायता पहुंच सके। इस दौरान सोनू पंजाबी जी ने भी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अपने मित्रों, व्यापारिक साथियों एवं परिचितों से संपर्क कर अच्छी राशि एकत्रित कराने में विशेष योगदान दिया। सोनू पंजाबी ने कहा की समाज की सहभागिता से ही ऐसे मानवीय कार्य सफल होते हैं। उन्होंने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। संस्था सदस्यों ने बताया कि आगे भी जरूरतमंद बच्चों, मरीजों एवं गरीब परिवारों की सहायता हेतु इस प्रकार के सामाजिक अभियान लगातार चलाए जाते रहेंगे। हेल्पिंग हैंड्स सोशल वेलफेयर सोसाइटी लंबे समय से शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सेवा कार्यों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। कार्यक्रम में संस्था के सभी सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और मासूम काशी के उज्ज्वल स्वास्थ्य हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। इस कार्यक्रम में संस्था मानस से करीब 20 बच्चे आए थे। जिन्होंने पूरा कैंपेन सम्हाल और लोगो तक जाकर डोनेशन लिया।

देर रात प्रदेश में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी

● 62 आईपीएस अधिकारियों के ट्रांसफर, 21 जिलों के एसपी बदले गए

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश सरकार ने शनिवार देर रात बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की है। राज्य के 62 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। कई जिलों के पुलिस अधीक्षक भी बदल दिए गए हैं। शनिवार देर रात गृह विभाग द्वारा जारी लिस्ट में एडीजी से लेकर डीआईजी,एसपी और डीसीपी लेवल के अधिकारी शामिल हैं। सरकार ने 21 जिलों के पुलिस अधीक्षक बदले दिए हैं। इसके साथ ही पुलिस मुख्यालय स्तर पर भी फेरबदल किया गया है।

13 पुलिस अधीक्षक पदोन्नत

एडीजी प्रशिक्षण राजा बाबू सिंह को एडीजी रेल बनाया गया है। वही एडीजी रेल रवि गुप्ता को प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी गई है। छह जिलों के पुलिस अधीक्षकों को दोबारा कमानी मिली है। जिन पुलिस अधीक्षकों को बदल गया है, उन में कुछ ऐसे भी हैं जिनमें तीन वर्ष पूरे हो गए थे। साथ ही 13 पुलिस अधीक्षक डीआईजी के पद पर पदोन्नति होने के कारण उनकी जगह नई पदस्थापना की गई है।

सिंगरौली एसपी भी हटाए गए

सिंगरौली बैंक डकैती कांड के बाद एसपी मनीष खत्री को हटा दिया गया है। उन्हें एआईजी पीएचक्यू बनाया गया है। सिवनी जिले के हवाला कांड के बाद एसपी सुनील मेहता को भी हटा दिया गया है। उन्हें डीसीपी इंदौर बनाया गया है।

किसे किस जिले की मिली जिम्मेदारी

सूरज वर्मा को भिंड, यांगचेन डोलकर को शिवपुरी, गुरकरण सिंह को रीवा, अनुराग सुजानिया को सागर, सचिन शर्मा को धार, धर्मराज मीणा को मुरैना, रजत सकलेचा को छतरपुर, अनूप जैन को खंडवा, राजेश व्यास को नीमच, प्रकाश चन्द्र परिहार को पांढुर्ना, दिलीप कुमार सैनी को आगर मालवा, विक्रांत मुराव को अनूपपुर, सुरेन्द्र कुमार जैन को मऊगंज, आशीष खरे को डिंडोरी, राजेश रघुवंशी को मंडला, मयूर खंडेलवाल को दतिया, सोनाक्षी सक्सेना को सीहोर, शिराज केएम को सिंगरौली, आनंद कलादगी को दमोह और कृष्ण लांछनदानी को सिवनी और देवेंद्र कुमार पाटीदार को झाबुआ जिले का एसपी बनाया गया है।

13 माह के मासूम के गले में फंसा कोल्ड्रिंक का ढक्कन, 2 घंटे तक अटकी रही सांसें

● डॉक्टरों ने समय रहते बचाई जान

खरगोन (नप्र)। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के कसरावद क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब 13 माह के एक मासूम बच्चे ने खेलते-खेलते कोल्ड ड्रिंक की बोतल का ढक्कन निगल लिया। यह ढक्कन बच्चे के गले में करीब दो घंटे तक फंसा रहा, जिससे उसे सांस लेने में गंभीर दिक्कत होने लगी। हालांकि, जिला अस्पताल के डॉक्टरों की तत्परता और सूझबूझ से समय रहते सफल उपचार कर बच्चे की जान बचा ली गई। शनिवार शाम बच्चे को स्वस्थ हालत में डिस्चार्ज कर दिया गया।

शादी समारोह में मचा हड़कंप – जिला अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. शशिकांत पटीदार के अनुसार कसरावद तहसील के ग्राम बेजापुर निवासी प्रवीण पटेल अपनी पत्नी और 13 माह के बेटे शिवाय के साथ ग्राम सिलोटिया में एक रिश्तेदार के यहां आयोजित शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। शुक्रवार को समारोह के दौरान खेलते समय बच्चे ने पास पड़ी कोल्ड ड्रिंक की बोतल का ढक्कन उठाकर मुंह में डाल लिया, जो अचानक उसके गले में फंस गया। इसके बाद बच्चे को तेज खांसी और घुटन होने लगी, जिससे परिजन घबरा गए।

जिला अस्पताल में किया रेफर – परिजनों ने पहले अपने स्तर पर ढक्कन निकालने का प्रयास किया, लेकिन इससे स्थिति और बिगड़ गई और ढक्कन गले में और अंदर फंस गया।

सूज गया था गला

ढक्कन निकलते ही बच्चे की सांस सामान्य हो गई और उसकी हालत में तेजी से सुधार हुआ। गले में सूजन होने के कारण उसे आईसीयू में निगरानी में रखा गया। शनिवार शाम उसकी स्थिति पूरी तरह सामान्य होने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। डॉक्टरों के अनुसार यदि अस्पताल पहुंचने में थोड़ी भी देरी होती, तो यह घटना जानलेवा साबित हो सकती थी। इस घटना ने एक बार फिर छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों को सतर्क रहने की आवश्यकता को उजागर किया है।

प्रदेश में पिछले 3 दिनों से तूफान के तांडव से 13 मौतें हुईं

● गेहूं भींगा, 85 किमी तक हवा की रफ्तार ● भोपाल में पेड़ गिरे, नर्मदापुरम, बालाघाट-सीहोर में अनाज खराब

भोपाल (नप्र)। एमपी में पिछले 3 दिन से तूफान तांडव कर रहा है। जबलपुर के बरगी डैम में क्रूज डूबने से 13 मौतें हो गईं, जबकि नर्मदापुरम, सीहोर समेत कई जिलों में गेहूं भींग गया। बिगड़े मौसम की वजह से भोपाल समेत कई जिलों में पेड़ भी गिर गए। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा की माने तो प्रदेश के ऊपर साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) एक्टिव रहे, जबकि दो ट्रफ भी प्रदेश से होकर गुजरे। इस वजह से प्रदेश में पिछले 3-4 दिन से तेज आंधी, ओले और बारिश वाला मौसम है, जो आगे भी 4 दिन तक बना रहेगा।

बैतूल में रिकॉर्ड 85किमी/घंटा रही आंधी की रफ्तार – प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान कुल 30 जिलों में बारिश हुई। इनमें भोपाल, नर्मदापुरम, बैतूल, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, सीहोर, दतिया, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, सागर, दमोह, छतरपुर, पन्ना, सीधी, मऊगंज, उमरिया, अनूपपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडौरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, कटनी, शहडोल और सिंगरौली शामिल हैं। गुना, रायसेन और बालाघाट में ओले भी गिरे। शिवपुरी, विदिशा, दतिया और श्योपुर जिलों में धूल भरी आंधी चली।

सीहोर में गेहूं भीग गया – सीहोर जिले के इछावर सहित बोरदी झालकी और भाऊखेड़ी में तेज हवा आंधी के साथ जमकर बारिश हुई। इस वजह से किसानों का गेहूं खराब हो गया। रायसेन में आंधी से वेयर हाउस का टीन शेड उड़ गया।

इटारसी में मेले का 20 फीट ऊंचा गेट गिरा – नर्मदापुरम के इटारसी में सूरजगंज लाल ग्राउंड में लगे इटारसी उत्सव

मेले का मुख्य प्रवेश द्वार शनिवार को अचानक भरभराकर गिर गया। करीब 20 फीट ऊंचा यह गेट बांस के सहारे बनाया गया था, जो तेज हवाओं का दबाव नहीं झेल सका और कुछ ही पलों में जमीन पर आ गिरा।

तेज हवा से आग भड़की...कई मकान, ट्रैक्टर-पशु जले – रायसेन के सांची के आलमखेड़ा गांव में शनिवार को भीषण आगजनी की घटना हो गई। खेतों में जल रही नरवाई की आग तेज आंधी-तूफान के कारण गांव तक पहुंच गई और देखते ही देखते आधा दर्जन से अधिक मकान जलकर खाक हो गए।आग इतनी तेजी से फैली कि ग्रामीणों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। घटना में करीब 6 से 7 पशुओं की जलने से मौत हो गई। वहीं एक किसान के आंगन में खड़ा ट्रैक्टर भी पूरी तरह जल गया। इसके अलावा करीब 12 किसानों का 100 क्विंटल से अधिक गेहूं, कृषि यंत्र और घरेलू सामान जलकर राख हो गया। जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा। धूल और धुएं से हालात बेकाबू हो गए, लोग एक-दूसरे को पहचान नहीं पाए।

पेड़-शेड भी गिरे – भोपाल के नीलबड़ और अवधपुरी क्षेत्र में कई पेड़ गिर गए। बालाघाट में भी पेड़ गिरने के मामले सामने आए। सीहोर के श्यामपुर रोड, जाखाखेड़ी में तेज आंधी से आधा दर्जन से अधिक पेड़ जमींदोज हो गए। बालाघाट के ग्राम कोसमी के वार्ड नंबर 17 में रेखु बसेने के घर की सीमेंट शीट नीचे गिर गई। इससे नीचे बैठे पांच लोग घायल हो गए।

छिंदवाड़ा में मौसम का मिजाज बदला, अस्पताल की छत से गिरी 1000 लीटर की टंकी, मजदूर की मौत

शनिवार शाम जिले में मौसम ने अचानक करवट ली। कई दिनों से 41-42 डिग्री सेल्सियस की झुलसाने वाली गर्मी झेल रहे लोगों को तेज आंधी और हल्की बारिश से राहत मिली। हालांकि मौसम की इस राहत के बीच एक दर्दनाक हादसा सामने आया। कुण्डीपुरा थाना क्षेत्र के शनिचरा बाजार में स्थित डॉ. बिंद्रा अस्पताल की छत पर रखी करीब 1000 लीटर की पानी की टंकी तेज हवाओं के कारण नीचे गिर गई। नीचे काम कर रहा मजदूर इसकी चपेट में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मृतक की पहचान पातालेश्वर वार्ड निवासी आशीष (पिता तेजलाल यादव) के रूप में हुई है। वह अस्पताल परिसर में मजदूरी कर रहा था, तभी अचानक टंकी गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया।

42 जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी

मध्य प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ली है। 24 घंटे में भोपाल समेत 30 जिलों में बारिश दर्ज की गई, जबकि बैतूल में 85 किमी घंटा की रफ्तार से तेज आंधी चली, जो इस सीजन की सबसे तेज रही। मौसम विभाग के अनुसार अशोक नगर में 72 किमी घंटा, सीहोर में 68, गुना-शिवपुरी में 61 और भोपाल-शहडोल में 57 किमी घंटे की रफ्तार से हवा चली। मौसम विभाग ने 42 जिलों में आंधी, बारिश का अलर्ट जारी किया है। भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और रीवा में ऑरेंज अलर्ट है, जहां 50-60 किमी घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। प्रदेश के कई हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक मौसम ऐसा ही बना रहने की संभावना है।

बरगी डैम हादसा

13 पहुंची मृतकों की संख्या, 9 साल के भतीजे के साथ मिला चाचा का शव

जबलपुर (नप्र)। बरगी बांध में गुरुवार शाम आई उस काली आंधी का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार सुबह जैसे ही रेस्क्यू टीम ने पानी से चाचा-भतीजे के शव निकाले, मौके पर मौजूद हर शख्स की आंखें भर आईं। अब तक इस हादसे में 13 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

थम गई कामराज के घर की किलकारियां – खमरिया फैक्ट्री में काम करने वाले कामराज के लिए यह सफर आखिरी साबित हुआ। इस हादसे ने उनके हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया। कामराज के साथ उनकी पत्नी, बेटा, तमिलनाडु से आई भाभी और भतीजा भी क्रूज पर थे। रविवार को कामराज (45) और उनके 9 साल के भतीजे मयूरन का शव मिला। अब इस परिवार में केवल कामराज के बुजुर्ग माता-पिता ही बचे हैं।

मां की ममता देख रो पड़ा रेस्क्यू दल– हादसे में दिल्ली के मैसी परिवार की मरीना मैसी की कहानी ने सबको झकझोर दिया है। जब गोताखोरों ने उनका शव निकाला, तो देखा कि मरीना ने लाइफ जैकेट पहनी थी, लेकिन उन्होंने खुद को बचाने के बजाय अपने 4 साल के बेटे को सीने से मजबूती से चिपका रखा था। वह आखिरी सांस तक अपने लाडले को बचाने की कोशिश करती रहीं। हमने मरीना और उनके बेटे को जिस हाल में देखा, वह मंजर भुलाया नहीं जा सकता। मां ने लाइफ जैकेट पहनी थी, वह चाहती तो तैर सकती थी, लेकिन उन्होंने बेटे को सीने से लगाए रखा और साथ में ही जलसमाधि ले ली।

कई परिवारों में पसरा मातम

सोनी परिवार (दरहाई)– बैंक कर्मचारी नीतू सोनी और उनके 5 साल के बेटे विराज की मौत हो गई। परिवार के 4 सदस्य सुरक्षित हैं।

सैयद और नकबी परिवार– सिविल लाइन की रेशमा सैयद और भोपाल की शमीम नकबी ने भी जान गंवा दी।

ज्योति श्रीवास– फूटाताल निवासी ज्योति भी इस जल प्रलय का शिकार बनीं।

फिलहाल, शेष दो लापता लोगों की तलाश में गोताखोर और टीमें लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही हैं।

भोपाल वालों को बिजली कटौती से मिलेगी राहत

बदले जा रहे हैं शहर के 162 ट्रांसफार्मर, एमडी ऋषि गर्ग ने दिए सख्त निर्देश

भोपाल (नप्र)। राजधानी के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। राजधानी में बढ़ती गर्मी और बिजली की भारी डिमांड को देखते हुए मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कमर कस ली है। शहर के सभी 27 जोनों में बिजली सप्लाई को बेहतर बनाने के लिए एक हफ्ते का सुधार अभियान शुरू किया गया है।

बिजली सिस्टम का फुल चेकअप – अक्सर गर्मी के मौसम में एसी और कूलर चलने से लोड बढ़ जाता है, जिससे ट्रांसफार्मर फुंकने और ट्रिपिंग की समस्या बढ़ जाती है। इसी का समाधान निकालने के लिए कंपनी ने 162 पुराने और खराब ट्रांसफार्मर बदलने का फैसला किया है। साथ ही 648 यूनिट्स पर 'लोड बैलेंसिंग' का काम भी हो रहा है ताकि किसी एक लाइन पर ज्यादा दबाव न पड़े।

छुट्टी के दिन भी एक्टिव रही टीमें – बिजली कंपनी के एमडी ऋषि गर्ग ने इस काम को एक हफ्ते के भीतर पूरा करने के सख्त निर्देश दिए हैं। आलम यह था कि 1 मई को सार्वजनिक अवकाश होने के बावजूद कर्मचारी और अधिकारी मैदान में डटे रहे। अभियान के पहले ही दिन 35 ट्रांसफार्मर बदले गए और 24 यूनिट्स की लोड बैलेंसिंग पूरी कर ली गई। बिजली कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया हमारा लक्ष्य शहर के सभी 162 ट्रांसफार्मर को बदलने और 648 यूनिट्स की लोड बैलेंसिंग का काम अगले तीन दिनों में पूरा करने का है।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

छत्तीसगढ़ में सत्ता और संगठन में बदलाव की हलचल

चर्चा है कि 10 मई के बाद छत्तीसगढ़ में सत्ता और संगठन में व्यापक बदलाव हो सकता है। राजनीतिक हलकों में सुगबुगाहट है कि राज्य के एक उप मुख्यमंत्री को संगठन में महासचिव की जिम्मेदारी दी जाएगी। बदले में एक महिला विधायक को उप मुख्यमंत्री की कुर्सी दी जाएगी। उप मुख्यमंत्री के लिए लता उसेंडी, रेणुका सिंह समेत कई नाम राजनीतिक गलियारों में चलने भी लगे हैं। कहा जा रहा है कि भाजपा नेतृत्व एक महिला को उप मुख्यमंत्री बनाकर एक तीर से कई निशाना साधने की फिराक में है। हल्ला है कि विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल के कम से कम चार-पांच मंत्रियों की छुट्टी होने वाली है, उनके बदले नए चेहरे लिए जाएंगे। पुराने विधायकों को मौका मिलने की गुंजाइश कम ही सुनाई पड़ रही है। एक विधायक को नितिन नबीन की टीम में सचिव बनाए जाने की बात चल रही है। राज्य में संगठन स्तर पर भी बड़े बदलाव की हवा है। संगठन में भी कई चेहरे इधर से उधर होने की चर्चा गर्म है। कहा जा कि छत्तीसगढ़ में सत्ता और संगठन को लेकर सर्वे हो चुका है और उसी के आधार पर आपरेशन की बात चल रही है। पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों का चुनावी नतीजा चार मई को आ जाएगा। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम के बाद मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों के साथ नितिन नबीन की टीम के गठन की खबर है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ भी निशाने पर है।

क्या सतीश थोरानी विकल्प हैं श्रीचंद के

छत्तीसगढ़ चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष सतीश थोरानी ने पिछले दिनों बीजेपी की सदस्यता ली। सतीश थोरानी के बीजेपी प्रवेश को श्रीचंद सुंदरानी के लिए खतरे की घंटी माना जा रहा है। व्यापारियों की राजनीति करते श्रीचंद सुंदरानी ने दलगत राजनीति में कदम रखा और एक बार रायपुर उत्तर से विधायक रहे। छत्तीसगढ़ चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री प्रदेश की बड़ी व्यापारिक संस्था है। चैंबर के चुनाव में बड़ी प्रतिस्पर्धा रहती है, पर सतीश थोरानी निर्विरोध चुने गए। सतीश थोरानी को रायपुर शहर जिलाध्यक्ष रमेश ठाकुर ने सदस्यता दिलाई है, ऐसे में वे बीजेपी के भीतर कितना दम मार सकते हैं, यह समय बताएगा? 2023 के विधानसभा चुनाव में उत्कल समाज के पुरंदर मिश्रा रायपुर उत्तर से टिकट लेने में कामयाब हो गए, पर श्रीचंद रायपुर उत्तर से दो बार लड़े। प्रदेश में सिंधी समाज बीजेपी का बड़ा वोट बैंक है और टिकट का बड़ा दावेदार भी। बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने के बाद अब रायपुर दक्षिण सीट भी किसी नेता के लिए ईयर मार्क नहीं रह गया है। 2028 के विधानसभा चुनाव में जातीय समीकरण बड़ा मायने रखने वाला है। कहा जा रहा है कि सतीश थोरानी के दलगत राजनीति में कूदने से श्रीचंद सुंदरानी अब व्यापारी और सिंधी समुदाय के क्षत्रप नहीं रह गए हैं। वैसे श्रीचंद ने पिछले दिनों अपना जन्मदिन बड़े जोर-शोर से मनाया। चैंबर की राजनीति करते दलीय राजनीति में प्रवेश का यह नया मामला नहीं है। चैंबर अध्यक्ष रहते महवीर अग्रवाल भी जनता पार्टी में शामिल हो गए थे।

अजय चंद्राकर के भाई के घर ईडी छापे के मायने क्या

भाजपा नेता और कुरुद के भाजपा विधायक अजय चंद्राकर के चचेरे भाई भूपेंद्र चंद्राकर के निवास पर पिछले दिनों ईडी ने भारतमाला मुआवजा घोटाला में छापा मारा। आरोप है कि नियम विरुद्ध तरीके से अपने करीबियों को अभनपुर, दुर्ग, पाटन, राजनांदगांव और मगरलोड क्षेत्रों में जमीन का गलत मुआवजा दिलवाया है। ईडी के लपेटे में और भी लोग हैं,पर अजय चंद्राकर के चचेरे भाई के निवास पर ईडी के दाखिल होने के राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। अजय चंद्राकर साय सरकार के राज में विधानसभा में आक्रामक दिखते हैं और कई मंत्री उनके निशाने पर होते हैं। कई मौकों पर तो सरकार घिरती भी नजर आती है। डॉ रमन सिंह के राज में 10 साल मंत्री रहे अजय चंद्राकर कुर्मी समाज से आते है। भाजपा नेतृत्व ने अजय की वरिष्ठता और अनुभव को दरकिनार कर उस समाज से टंकराम वर्मा को साय सरकार में मंत्री बना दिया। चचेरे भाई पर कार्रवाई को अजय चंद्राकर के लिए इशारों-इशारों में संकेत माना जा रहा है। भारतमाला मुआवजा घोटाला में अब तक अफसरों-कर्मचारियों और दलालों पर ही कार्रवाई हुई है। नेताओं पर अबतक हाथ नहीं डाला गया है, जबकि भारतमाला प्रोजेक्ट में कई नेताओं के मालामाल होने की ख़बरें उड़ती रहती हैं।

ईरान युद्ध के चलते कुछ नेता-अफसरों की उड़ी नींद

कहते हैं कि ईरान-इजरायल और अमेरिका युद्ध के कारण छत्तीसगढ़ के कुछ नेता और अफसरों की नींद उड़ गई है। चर्चा है कि राज्य के कुछ नेता और अफसरों ने दुबई में इन्वेस्ट कर रखा है। ईरान द्वारा दुबई को भी निशाने पर ले लिए जाने के कारण वहां की अर्थव्यवस्था इन दिनों धराशायी हो गई है। बताते हैं ऐसे में यहाँ के नेताओं और आईएएस अफसरों को काफी नुकसान हो गया है। खबर है कि दुबई में पूंजी लगाने वालों में बीजेपी और कांग्रेस दोनों दलों के नेता शामिल हैं, वहीं अफसरों में रिटायर्ड और सेवारत दोनों हैं। कहते हैं दुबई में कुछ कारोबारियों ने भी पैसा लगा रखा है। कांग्रेस राज में चर्चित कुछ लोगों के दुबई में होटल और अन्य धंधे की हवा उड़ी हुई है। बड़े लोगों का बड़ा इन्वेस्टमेंट हैं, तो नुकसान भी वैसा होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस कारण नींद उड़ना स्वाभविक ही है।

चर्चा में राईस मिलरों की लेवी

जब से छत्तीसगढ़ राज बन है, तब से राईस मिलरों की लेवी चर्चा में है। समय और परिस्थिति के अनुसार इसमें बदलाव की खबरें आती रहती है। छत्तीसगढ़ धान पैदावार वाला राज्य है और राईस मिल राज्य की अर्थव्यवस्था का आधार है। कहते है लेवी के बाद राईस मिलरों का बकाया पैसा सरकार के खजाने से उनके खाते में ट्रांसफर होता है। बताते है पहले राईस मिलर ही इकट्ठा कर चढ़ावा चढ़ा देते थे, पर ईडी-सीबीआई की तिरछी नजर से उन्होंने हाथ झटक लिया है और यह काम जिले के अफसरों के सुपुर्द हो गया है। कहते हैं पहले 10 रुपए क्विंटल था अब दुगुना हो गया और हिस्सेदार भी बढ़ गए है। इसी छत्तीसगढ़ राज्य में चर्चित नान घोटाला हो चुका है, जिसमें कुछ अफसरों को जेल की हवा खानी पड़ी तो कुछ राजनेता बदनाम हुए। अब साय के राज में कोई नान घोटाला न हो, इसकी दुआ लोग कर रहे हैं। वैसे बीजेपी की सरकार भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टालरेंस की बात करती है।

सरकार कब बनाएगी डीजीपी?

स्थायी डीजीपी के मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को नोटिस देकर अब तक स्थायी डीजीपी नियुक्त न किए जाने के बारे में सवाल-जवाब किया है। छत्तीसगढ़ में स्थायी डीजीपी नियुक्ति के मामले में 16 अप्रैल को पेशी थी। अब 19 मई 2026 को पेशी है। तो सवाल उठ रहा है कि क्या 19 मई से पहले सरकार यूपीएससी द्वारा भेजे गए पैनल में से किसी को डीजीपी नियुक्त कर सुप्रीम कोर्ट में जिरह से बचेगी या फिर कोई और तर्क रखेगी ? राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जवाब देने के लिए डिप्टी सेक्रेटरी स्तर के अफसर को ऑफिसर इन चार्ज नियुक्त कर दिया है। बताते हैं राज्य के डीजीपी नियुक्ति का मामला शीर्ष स्तर पर पिछले महीने से पेंडिंग है। अरुणदेव गौतम फरवरी 2025 से प्रभारी डीजीपी के तौर पर कार्यरत है। यूपीएससी ने स्थायी डीजीपी के लिए मई 2025 में आईपीएस का पैनल भेज दिया था, पर पैनल के आधार पर किसी अफसर को डीजीपी बनाने के की जगह मामला पेंडिग चल रहा। अब सुप्रीम कोर्ट छत्तीसगढ़ सरकार से पूछ रहा है कि मई 2025 में यूपीएससी ने डीजीपी के लिए पैनल भेज दिया तो अब भी राज्य में प्रभारी डीजीपी क्यों ? अब देखते हैं सरकार क्या निर्णय करती है।

लोगों को डराने लगी लिफ्ट

राजधानी में कई शॉपिंग माल और बहुमंजिला काम्प्लेक्स हैं, पर आजकल बहुमंजिला काम्प्लेक्स का लिफ्ट लोगों को डराने लगी है। पता नहीं लिफ्ट चलते-चलते कब बंद हो जाए और कौन फंस जाए। पिछले महीने एक बड़े कम्प्लेक्स में जिम में जाते-जाते एक महिला आईएएस फंस गई। दो दिन पहले एक आईएएस की पत्नी के लिफ्ट में फंसने की खबर आई। बताते हैं वह भी जिम जा रही थी। सबसे मजेदार बात है कि सभी काम्प्लेक्स में जिम टॉप फ्लोर में बनाया गया है और सुबह-शाम उसके नीचे फ्लोर में लोग दिल थामे काम करते रहते हैं। शॉपिंग माल और शॉपिंग काम्प्लेक्स के मालिक ग्राहकों से मनमर्जी वाहन पार्किंग शुल्क लेते हैं। अपने किरायेदारों से मोटा मेंटेनेंस फ़ीस लेते हैं, फिर भी लिफ्ट क्यों फंसते हैं। शॉपिंग माल और शॉपिंग काम्प्लेक्स के आगे राजधानी का प्रशासन नतमस्तक क्यों है। क्या इसके पीछे कोई राज तो नहीं छुपा है। अब आईएएस और उनका परिवार चपेट में आया तो शायद व्यवस्था सुधरे।

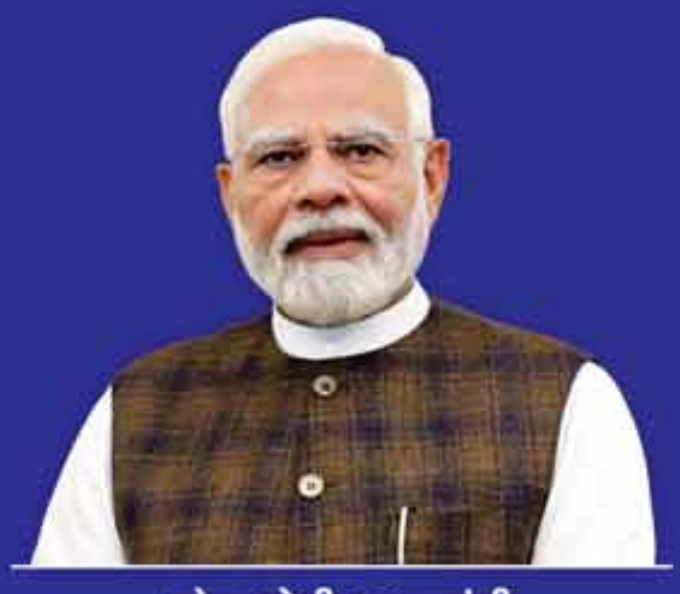

मिल्क कैपिटल बनने की दिशा में बढ़ते मध्यप्रदेश के कदम

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

राज्य स्तरीय

दुग्ध उत्पादक एवं पशुपालक सम्मेलन

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

4 मई, 2026 | मेला ग्राउंड, ग्वालियर

समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश किसान कल्याण वर्ष 2026

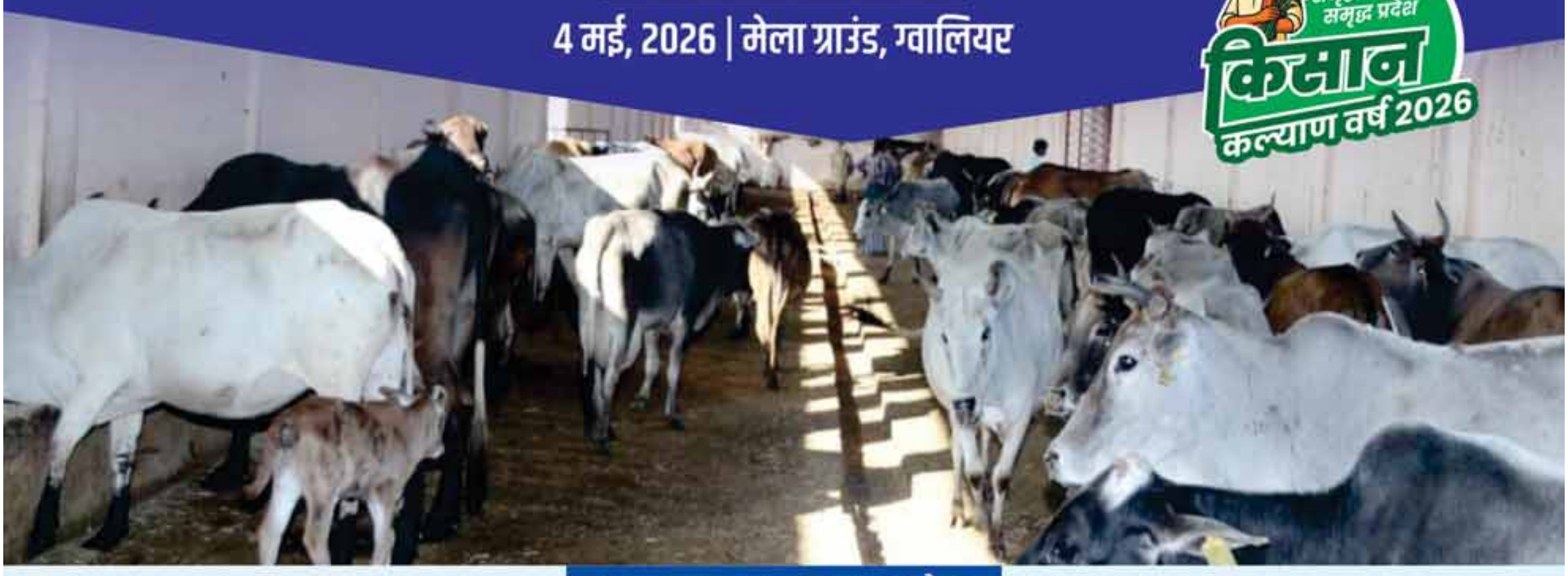

समृद्ध पशुपालक - समृद्ध प्रदेश

दुग्ध उत्पादन
- प्रतिदिन 10 लाख लीटर दुग्ध संकलन
- 26 हजार गांवों को जोड़कर 52 लाख लीटर प्रतिदिन संकलन का लक्ष्य
- 226 लाख टन वार्षिक दुग्ध उत्पादन के साथ मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर

दुग्ध प्रसंस्करण में वृद्धि
- इंदौर में प्रतिदिन 30 मीट्रिक टन क्षमता का दुग्ध चूर्ण संयंत्र प्रारंभ
- 5 वर्षों में दुग्ध प्रसंस्करण इकाइयों में ₹ 3034 करोड़ का निवेश
- 153 नए बल्क मिल्क कूलर स्थापित

नस्ल सुधार एवं स्वास्थ्य
- हिरण्यगर्भा अभियान से नस्ल सुधार
- गोरस मोबाइल ऐप से संतुलित पशु आहार की जानकारी एवं मोबाइल पशु चिकित्सा
- पशु प्रजनन, पशु पोषण और पशु स्वास्थ्य के माध्यम से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि

दुग्ध समितियां
- वर्तमान में 7000+ ग्रामीण दुग्ध सहकारी समितियां कार्यशील
- 1752 नयी दुग्ध सहकारी समितियां गठित

निराश्रित गौ-वंश प्रबंधन
- निराश्रित गौ-वंश के बेहतर प्रबंधन एवं संरक्षण हेतु 6000+ एकड़ भूमि आवंटित
- गौ-शाला निर्माण में निजी भागीदारी

उन्नत तकनीक उत्पादन
- पशु चारा संयंत्रों का आधुनिकीकरण और निर्माण
- डेयरी वैल्यू चैन का डिजिटलीकरण

मध्यप्रदेश में पशुपालकों की आय वृद्धि के लिए दुग्ध उत्पादन और संकलन बढ़ाने, उन्नत नस्ल के पशु तैयार करने और आत्मनिर्भर गौ-शालाओं तथा निराश्रित गौ-वंश के स्थायी आश्रय जैसे हमारे प्रयासों से वह दिन दूर नहीं जब मध्यप्रदेश को देश की मिल्क कैपिटल के रूप से जाना जाएगा।

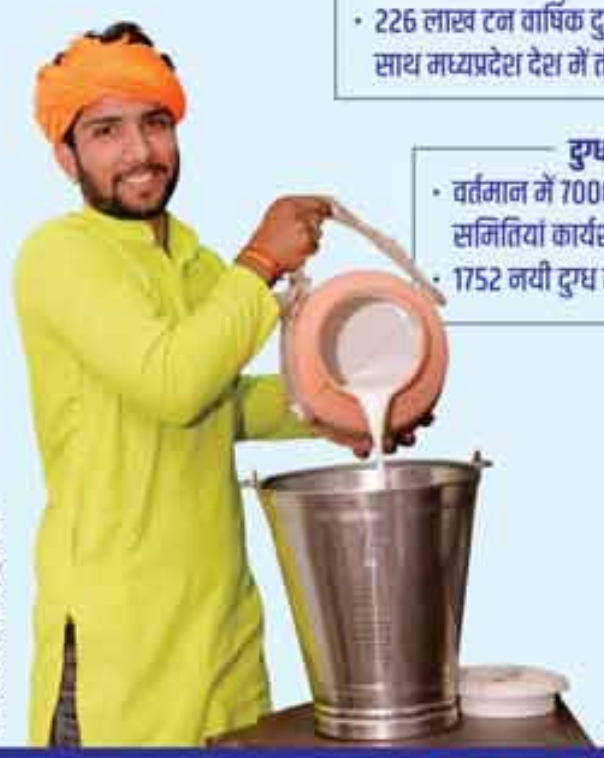

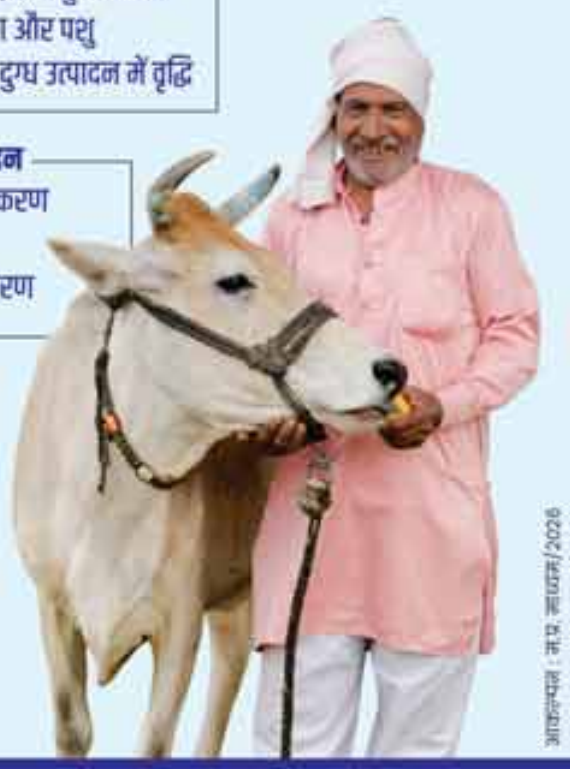

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11015/26